Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25 www.dainikvishwapariwar.com रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 291 ● वर्ष : 13 ● रायपुर, गुरूवार 23 अप्रैल 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

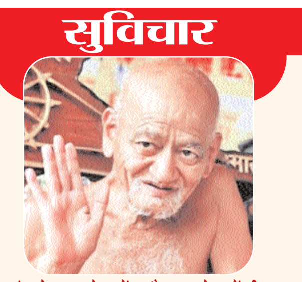

आज लोकतंत्र को सम्हालने वालों का तैयार करने वालों की आवश्यकता है जो इस भारत के लोकतंत्र को सही दिशा प्रदान कर सकें।

Today we need such people who can prepare defenders of democracy who in turn can give right derection to Indian democracy.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

पहले चरण में कुल 152 सीटों पर मतदान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में 23 अप्रैल को 152 सीटों पर पहले चरण का मतदान होगा। इसके तहत राज्य में 16 जिलों में से 7 जिलों को सुरक्षा की दृष्टि से सबसे संवेदनशील माना गया है। चुनाव आयोग ने सख्ती दिखाते हुए इन जिलों में केंद्रीय बलों के साथ 2193 क्विक रिस्पॉन्स टीम तैनात कर सुरक्षा का मजबूत घेरा बनाया है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के पहले चरण की वोटिंग 23 अप्रैल को होने जा रही है, जिसमें कुल 152 सीटों पर मतदान होगा। यह सीटें राज्य के 16 जिलों में फैली हुई हैं। मतदान से पहले इन जिलों को लेकर चुनाव आयोग ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। इसके तहत राज्य में 16 जिलों में से 7 जिलों को सुरक्षा की दृष्टि से सबसे संवेदनशील माना गया है। इनमें मालदा, मुर्शिदाबाद, उत्तर दिनाजपुर, कूच बिहार, बीरभूम, पश्चिम मिदनापुर और पश्चिम बर्दवान शामिल हैं। इन जिलों में पिछले 15 वर्षों के चुनावी हिंसा के रिकॉर्ड और संवेदनशील बूथों के आधार पर निगरानी बढ़ा दी गई है। हालात के गंभीरता को देखते हुए चुनाव आयोग ने इन क्षेत्रों में केंद्रीय सुरक्षा बलों की भारी तैनाती का आदेश दिया है।

कलयुगी पिता ने नाबालिग बेटी का गला घोंट चेहरे पर डाला तेजाब

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक पिता ने प्रेम प्रसंग के शक में अपनी ही नाबालिग बेटी को बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया। हत्या के बाद हैवान बने पिता ने बेटी की पहचान मिटाने के लिए उसके चेहरे पर तेजाब डाल दिया और शव को बाराबंकी की शारदा नहर में फेंक दिया। चिनहट थाना क्षेत्र से जुड़े इस खौफनाक हत्याकांड के खुलासे ने हर किसी को सन्न कर दिया है। इस सनसनीखेज मामले में सबसे ज्यादा हैरान करने वाली बात यह रही कि कातिल पिता ने हत्या के बाद पुलिस को गुमराह करने की पूरी कोशिश की। आरोपी पिता ने खुद 16 अप्रैल को चिनहट थाने पहुंचकर अपनी बेटी के रहस्यमय तरीके से गायब होने की झूठी रिपोर्ट दर्ज कराई थी। लेकिन, पुलिस जांच के दौरान जब कड़ियां जुड़ने लगीं, तो पिता के बयानों में विरोधाभास नजर आया। पुलिस का शक गहराने पर जब उससे सख्ती से पूछताछ की गई, तो वह टूट गया और उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

विमान में आई तकनीकी खराबी से मचा हड़कंप

नई दिल्ली। हैदराबाद से हुबली की उड़ान भर रहे फ्लाई91 एयरलाइंस के एक विमान में सवार यात्रियों के लिए किसी बुरे सपने जैसा रहा। तकनीकी खराबी की वजह से फ्लाइट करीब चार घंटे तक आसमान में ही गोते खाती रही, जिससे विमान के अंदर चीख-पुकार और दहशत का माहौल पैदा हो गया। चालक दल की सूझबूझ से एक बड़ा हादसा टल गया और विमान को सुरक्षित उतार लिया गया। लेकिन इस दौरान यात्रियों को जान हलक में अटकी रही।

बंगाल में अपना खाता भी नहीं खोल पाएगी कांग्रेस

ममता दीदी की विदाई की तिथि 4 मई-अमित शाह...

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज दम दम उत्तर विधानसभा में जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस और टीएमसी पर बड़ा हमला बोला है. कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस दोनों पर बरसे। शाह ने दावा किया कि इस बार बंगाल से ममता दीदी की विदाई हो जाएगी। अमित शाह ने इस दौरान पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया। साथ ही मल्लिकार्जुन खरगे को पीएम मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर भी घेरा। अमित शाह ने कहा, 4 मई को सुबह 8 बजे से वोटों की गिनती शुरू होगी। 9 बजे पहला राउंड आएगा, दोपहर 1 बजे तक गिनती समाप्त होते-होते ममता दीदी का टाटा-बाय-बाय हो जाएगा। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के पीएम मोदी पर दिए बयान पर पलटवार किया है. अमित शाह ने कहा कि खरगे पहले इस तरह के बयान नहीं देते थे. लेकिन, राहुल बाबा के साथ रह कर उनकी भाषा भी बिगड़ने लगी है. राहुल के साथ रहने का ही असर है जो कांग्रेस अध्यक्ष पीएम नरेंद्र मोदी जी को आतंकवादी कह रहे हैं.गृह मंत्री अमित शाह ने आज दम दम उत्तर विधानसभा में जनसभा की। अमित शाह ने कहा, 4 मई को सुबह 8 बजे से वोटों की गिनती शुरू होगी। 9 बजे पहला राउंड आएगा, 10 बजे दूसरा राउंड आएगा, और दोपहर 1 बजे तक गिनती समाप्त होते-होते ममता दीदी का टाटा-बाय-बाय हो जाएगा। 29 तारीख को आप सभी को वोट डालना है, लेकिन किसी को विधायक या भाजपा सरकार बनाने के लिए नहीं, बल्कि घुसपैठिया मुक्त बंगाल बनाने के लिए वोट डालना है।नरेंद्र मोदी जी को कांग्रेस अध्यक्ष आतंकवादी कह रहे हैं। राहुल बाबा के साथ रह रह कर खरगे जी की भी भाषा बिगड़ने लगी है। राहुल बाबा, मोदी जी जितना गाली दोगे, जितना कीचड़ गिराओगे, कमल उतनी शान से खिलेगा।भारतीय जनता पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को निर्वाचन आयोग पहुंचा और उसने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की आतंकवादी संबंधी टिप्पणी के लिए उनके (खरगे) खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की। इस प्रतिनिधिमंडल में निर्मला सीतारमण समेत तीन केंद्रीय मंत्री शामिल थे।निर्मला सीतारमण ने कहा कि चुनावी राज्य तमिलनाडु में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए खरगे ने प्रधानमंत्री को आतंकवादी कहा जो अत्यंत निंदनीय है। सीतारमण ने कहा, यह भारत की जनता द्वारा दिए गए (प्रधानमंत्री मोदी को) जनादेश का अपमान है।उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस पूरी तरह से हताश है और तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों के बीच प्रधानमंत्री के खिलाफइस तरह की टिप्पणियां इसलिए कर रही है क्योंकि वह मोदी से गहरी नफरत करती है।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के दमदम में एक चुनावी रैली के दौरान कांग्रेस पर तीखा हमला बोला।

बंगाल की पहचान से नहीं होगा खिलवाड़- योगी आदित्यनाथ

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए भाजपा के प्रचार अभियान के तहत उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जोरासांको विधानसभा क्षेत्र पहुंचे, जहां उन्होंने एक जनसभा को संबोधित किया और पार्टी उम्मीदवार के समर्थन में प्रचार किया। सभा को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोलकाता के मेयर के बयान सामने आ रहे हैं, जिसमें उर्दू के इस्तेमाल की बात कही जा रही है। उन्होंने कहा कि बंगाल की पहचान के साथ कोई खिलवाड़ नहीं कर सकता। बंगाल की पहचान काबा से नहीं, बल्कि मां कालीबाड़ी से जुड़ी रही है। उन्होंने राज्य में कानून-व्यवस्था और अन्य मुद्दों पर भी सवाल उठाए। योगी ने कहा कि बंगाल में अव्यवस्था का माहौल वैसा ही है जैसा 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में था।योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश का उदाहरण देते हुए कहा कि अब वहां शांति और विकास का माहौल है।

भक्तों के लिए खुले केदारनाथ धाम के कपाट, 'हर-हर महादेव' के जयघोष से गूंजा पर्वत

उत्तराखंड (विश्व परिवार)। जिस पल का सभी को बेसब्री से इंतजार था, वो खत्म हो चुका है. सुबह 8 बजे वैदिक मंत्रोत्चार के साथ पूरे विधि-विधान से बाबा केदारनाथ की पूजा कर भक्तों के लिए कपाट खोल दिया गया. इस दौरान सीएम धामी ने विशेष पूजा कर देश और प्रदेश के सुख-समृद्धि की कामना की. कपाट खुलते ही श्रद्धालुओं के बीच हर-हर महादेव जयघोष गूंज उठा।

बता दें कि चारधामा यात्रा 19 अप्रैल से शुरू हो चुकी है. भक्त केदरनाथ धाम के लिए शुरू होने वाली यात्रा का इंतजार कर रहे थे. जो अब शुरू कर दी गई है. कपाट खुलने के दौरान मंदिर के बाहर हजारों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे. पूजा-पाठ होने के बाद भक्तों के दर्शन करने की शुरुआत कर दी गई. दर्शन करने वाले लोगों में खासी खुशी देखने को मिली।बाबा केदारेश्वर की पवित्र डोली 20 अप्रैल को द्वितीय रात्रि प्रवास के लिए गौरीकुंड पहुंची थी. इसके बाद मंगलवार यानी 21 अप्रैल को डोली केदारनाथ धाम पहुंचेगी. निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बुधवार 22 अप्रैल की सुबह 8 बजे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए. इससे पहले 19 अप्रैल को अक्षय तृतीया के अवसर पर श्री गंगोत्री और श्री यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ ही चारधाम यात्रा 2026 की शुरुआत हो चुकी है।

बर्लिन में रक्षा मंत्री ने भारतीय समुदाय के साथ किया संवाद, प्रवासियों को बताया जर्मनी और भारत के बीच एक 'जीवंत सेतु'

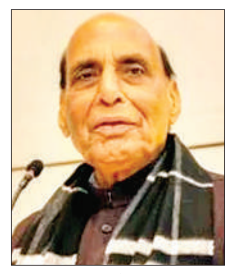

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जर्मनी की राजधानी बर्लिन में भारतीय समुदाय के लोगों से आत्मीय माहौल में मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान रक्षा मंत्री ने भारतीय समुदाय के लोगों से खुलकर संवाद किया। इस दौरान उन्होंने प्रवासी भारतीयों की सराहना करते हुए कहा कि आप सभी भारत और जर्मनी के बीच एक 'जीवंत सेतु' की तरह हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यहां मौजूद लोगों से कहा कि बीते कुछ वर्षों में आपकी भूमिका और भी मजबूत हुई है और आप दोनों देशों को करीब लाने में अहम योगदान दे रहे हैं। उन्होंने जर्मनी में रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों को बताया कि आज भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। देश की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है और बुनियादी ढांचे में बड़े स्तर पर विकास हो रहा है। इसके साथ ही भारत में स्टार्टअप का माहौल भी तेजी से बढ़ा है, जहां युवा नए-नए विचारों के साथ आगे आ रहे हैं। रक्षा मंत्री ने अंतरिक्ष और डिजिटल क्षेत्र का जिक्र करते हुए कहा कि भारत इन क्षेत्रों में भी लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

बता दें कि डिजिटल तकनीक के जरिए आम लोगों तक सेवाएं पहुंचाना आसान हुआ है और इससे देश की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और तेजी आई है। दरअसल, जर्मनी में प्रवासी भारतीय भारत की पहचान को मजबूत बना रहे हैं। उनकी मेहनत और उपलब्धियां भारत की छवि को वैश्विक स्तर पर और बेहतर बनाती हैं।

रक्षा विशेषज्ञों ने उम्मीद जताई है कि भारतीय समुदाय आगे भी भारत और जर्मनी के बीच संबंधों को और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा। इस मुलाकात के दौरान भारतीय समुदाय के लोगों ने भी अपने अनुभव साझा किए और भारत की प्रगति पर गर्व जताया।इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जर्मनी की संसद के सदस्यों को संबोधित करते हुए भारत-जर्मनी के बीच रक्षा औद्योगिक साझेदारी को और मजबूत करने का आह्वान किया।

बालेन शाह सरकार बनने के बाद से ही विवादों में

बालेन पर करप्शन का आरोप गृहमंत्री सुदन गुरुंग का इस्तीफा

नेपाल/ एजेंसी

नेपाल की बालेन शाह सरकार बनने के बाद से ही विवादों में है। अपने कई फैसलों को लेकर बालेन सरकार को लोगों की नाराजगी का सामना करना पड़ा है। छात्र संघ प्रतिबंध करने और भारत से लाने वाले सामानों पर कस्टम ड्यूटी बढ़ाने के कारण लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। अब बालेन शाह सरकार नये विवाद में फंस गई है। भ्रष्टाचार को हथियार बनाकर सत्ता में आने वाली नेपाल की बालेन शाह सरकार पर करप्शन के आरोप लगे हैं। तीन हफ्ते में ही नेपाल के गृहमंत्री सुदन गुरुंग पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं। इसके बाद गुरुंग ने अपना इस्तीफा पीएम बालेन शाह को सौंप दिया है। सुदन गुरुंग 'जेन-जी क्रांति' से राजनीति में आए थे। सुधन गुरुंग ने गृहमंत्री बनने के बाद भ्रष्टाचार के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया था। हालांकि अब सुदन गुरुंग पर आय से अधिक संपत्ति से लेकर मनी लॉन्ड्रिंग तक कई तरह के आरोप लगे हैं। सुधन गुरुंग पर विवादास्पद कारोबारी दीपक भट्टा के साथ व्यापारिक हिस्सेदारी और माइक्रो इंश्योरेंस कंपनियों में शेयर खरीदने आरोप लगे हैं।फेसबुक पोस्ट में सुधन गुरुंग ने लिखा-मुझसे जुड़े आरोपों की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने और पदों पर रहते हुए हितों के टकराव से बचने और जांच प्रक्रिया पर किसी भी तरह के प्रभाव से बचने के लिए मैंने गृहमंत्री के पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है।

सचिन तेंदुलकर का बस्तर आगमन बदलते बस्तर की सशक्त पहचान : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

सचिन तेंदुलकर ने कहा बस्तर में प्रतिभा की कोई कमी नहीं

नई दिल्ली/ एजेंसी

दंतेवाड़ा के इंद्रावती किनारे बसे छिंदनार गांव ने उस पल इतिहास रच दिया, जब क्रिकेट जगत के महानायक सचिन तेंदुलकर अपने परिवार संग यहां पहुंचे। छिंदनार का खेल मैदान सचिन, सचिन. के नारों से गूंज उठा। इस दौरान बच्चों की आंखों में नए सपनों की चमक दिखाई दी। सचिन के साथ उनकी बेटी सारा तेंदुलकर, परिवार के सदस्य और मानदेशी फाउंडेशन की संस्थापक चेतना सिन्हा भी मौजूद रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत खेल भावना से हुई, जहां सचिन ने बच्चों के साथ रस्साकशी में हिस्सा लिया। एक तरफसचिन की टीम थी, दूसरी ओर बेटी सारा की टीम थी। मुकाबले में सारा की टीम ने जीत दर्ज की। इसके बाद मैदान में वो दृश्य दिखा, जिसने हर किसी का दिल जीत लिया। क्रिकेट के भगवान बच्चों संग वॉलीबॉल खेलते नजर आए। पूरे जोश के साथ खेल का आनंद लिया। इसके बाद सचिन ने मैदान का निरीक्षण किया और उन लोगों को सम्मानित किया, जिन्होंने इस खेल परिसर को तैयार करने में योगदान दिया। दंतेवाड़ा जिले में अब तक 25 खेल मैदान तैयार हो चुके हैं, जबकि 25 और मैदानों की योजना पर काम जारी है। मंच से सचिन ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि यह सफर 50 मैदानों पर नहीं रुकेगा बल्कि 100 से अधिक मैदानों तक पहुंचेगा। सचिन ने कहा कि जब उन्हें पता चला कि यहां खिलाड़ी तो हैं, लेकिन मैदान नहीं तो उन्हें अपना बचपन याद आ गया। उन्होंने कहा कि उनकी जिंदगी भी मैदान से शुरू हुई थी और वही मैदान बच्चों के भविष्य की दिशा बदल सकता है। उन्होंने कहा कि मानदेशी फाउंडेशन और सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन मिलकर यहां बच्चों को सिर्फ मैदान ही नहीं देंगे।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर विपक्ष के खिलाफ लाया जाएगा निंदा प्रस्ताव

30 अप्रैल को छत्तीसगढ़ विधानसभा का विशेष सत्र आहुत

■ कांग्रेस ने सत्र के औचित्य पर उठाए सवाल

रायपुर। संवाददाता

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लोकसभा से पारित नहीं हो पाने पर 30 अप्रैल को छत्तीसगढ़ विधानसभा का विशेष सत्र आहुत किया जा रहा है. सत्र के दौरान अधिनियम के पारित नहीं होने पर विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाया जाएगा. विधानसभा के विशेष सत्र की जानकारी देते हुए उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बताया कि सरकार की ओर से 30 अप्रैल को विशेष सत्र आयोजित करने का आग्रह हुआ. विधानसभा अध्यक्ष तय करेंगे कि कितने दिन का सत्र होगा. उन्होंने कहा कि कांग्रेस और विपक्षी दलों ने आधी आबादी को उनके संवैधानिक अधिकार से वंचित करने का काम किया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट किया है कि उनके अधिकार दिलाने तक संघर्ष जारी रहेगा.वहीं उप मुख्यमंत्री साव ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आतंकवादी कहे जाने पर कहा कि कांग्रेस घटिया और निम्न स्तर की राजनीति कर रही है. कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष का इस तरह की भाषा का उपयोग करना दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है. उन्होंने कहा कि यह सिर्फप्रधानमंत्री का नहीं, बल्कि देश के 140 करोड़ लोगों का अपमान है. कांग्रेस अपनी गिरती हुई राजनीति का परिचय दे रही है.अरुण साव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश में आतंकवाद, अलगाववाद और नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ी और आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब दिया. ऐसे प्रधानमंत्री के लिए इस तरह की भाषा का इस्तेमाल कांग्रेस के राजनीतिक पतन और घटियापन को दर्शाता है. सचिन तेंदुलकर के बस्तर दौरे को लेकर कांग्रेस द्वारा उठाए गए सुरक्षा सवालों पर अरुण साव ने कहा कि कांग्रेस नहीं चाहती थी कि नक्सलवाद खत्म हो. नक्सली कांग्रेस के पाले-पोसे लोग रहे, इसलिए वे नहीं चाहते थे कि बस्तर में शांति स्थापित हो. क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर बस्तर के युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए जा रहे हैं, लेकिन कांग्रेस इस पर भी राजनीति कर रही है.आदिवासी समाज के धर्मांतरण करने वालों की डी-लिस्टिंग की मांग पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि धर्मांतरण प्रदेश के सामने एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है

. सरकार बनने के बाद इस पर सख्त रुख अपनाया गया और मौजूदा कानूनों को और कठोर बनाया गया है. विधानसभा से भी सख्त कानून पारित कर कार्रवाई तेज की गई. समाज को भी आगे आकर धर्मांतरण रोकने में सहयोग करना होगा.

शिव डहरिया ने संभाला कांग्रेस का मोर्चा

वहीं विधानसभा के विशेष सत्र पर पूर्व मंत्री शिव डहरिया ने कहा कि इस तरह का कोई प्रावधान प्रजातंत्र में नहीं है. अगर है तो विपक्ष को भी एक दिन का मौक़ा दें. उनकी पोल खोलकर रखेंगे. किस तरह से प्रजातंत्र का मखौल उड़ाया है, महिलाओं के अधिकारों को खत्म करने का काम मोदी सरकार कर रही है. उन सबके बारे में बताया जाएगा. जो बिल लोकसभा और राज्यसभा में पास हो गया है, उसे लागू करना चाहिए. 2028 और 2029 के चुनाव में उसे लागू करना चाहिए.वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अपमान के सवाल पर शिव डहरिया ने कहा कि लोकतंत्र का अपमान तो नरेंद्र मोदी कर रहे हैं. कांग्रेस पार्टी हमेशा लोगों का सम्मान करती है. अरुण साव नरेंद्र मोदी के लिए टिप्पणी कर रहे होंगे. प्रजातंत्र को नुकसान पहुंचाने का सबसे बड़ा काम हमारे प्रधानमंत्री कर रहे हैं. हकीकत यह है कि नक्सली मूवमेंट खत्म नहीं हुआ है, इसलिए डर में मुख्यमंत्री नहीं जा रहे है. सुरक्षा कारणों से सचिन के दौरे में कटौती की गई है. ऐसी जानकारी मिली है कि यह नक्सल मूवमेंट को देखते हुए किया गया है. इससे सरकार के कार्यों पर प्रश्नचिह्न लगाता है. वहीं मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर को लेकर पूर्व मंत्री ने कहा कि बीजेपी की सरकार झूठी सरकार है. लगता है मुख्यमंत्री दिल्ली के कंट्रोल में चल रहे हैं. जनदर्शन लगाया करते थे उसके लाखों आवेदन पेंडिंग हैं. उसका निराकरण आज तक नहीं हो पाया है. हेल्पलाइन से कोई फ़र्क़ पड़ने वाला नहीं है. दिखावे की राजनीति बीजेपी करती है. जनता की समस्याओं का निराकरण नहीं हो रहा है, इसलिए बरगलाने का काम सरकार कर रही है.

वृद्धाश्रम में काजल भगत का जन्मदिन मनाया गया : वक्ता मंच के माध्यम से सराहनीय पहल

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी के सुंदर नगर स्थित प्रशामक देख रेख गृह (वृद्धाश्रम) में कल शाम सुश्री काजल भगत का जन्मदिन धूमधाम से उत्सवित किया गया द्य प्रदेश की अग्रणी सामाजिक व साहित्यिक संस्था वक्ता मंच द्वारा जारी समाज सापेक्ष कार्यों के क्रम में कल सुश्री काजल भगत के परिजन वक्ता मंच के कार्यकर्ताओं के साथ वृद्धाश्रम पहुंचे द्य वहां केक काटकर, फल एवं मिठाईयां बांटकर जोर -शोर से प्रशामक गृह के रहवासियों के मध्य जन्मदिन मनाया गया द्य इस अवसर पर उपस्थित प्रबुद्धजनों ने अगले कुछ घंटे -हंसी खुशी के माहौल में इस परिसर में व्यतीत किए तथा संपूर्ण परिसर को पारिवारिक वातावरण प्रदान किया द्य भगत परिवार द्वारा प्रशामक गृह के रहवासियों हेतु रात्रि भोज का प्रबंध भी किया गया द्य आज का कार्यक्रम वक्ता मंच के संयोजक शुभम साहू के संयोजन में संपन्न हुआ द्य इस अवसर पर श्री जयशंकर भगत (वरिष्ठ अधीक्षक जी एस टी), श्रीमती कला भगत (उप निदेशक स्कूली शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन), डॉ रूपेंद्र कवि (उप सचिव, लोक भवन) श्री एम राजीव (संस्थापक युवा संस्था), श्रीमती सोनिका कवि, श्री विशाल मिश्रा, श्रीमती ज्योति शुक्ला, श्री खेमेश्वर पुरी गोस्वामी, श्रीमती रुनाली चक्रवर्ती, श्री दुष्यंत साहू, डॉ उदयभान सिंग चौहान सहित अनेक प्रबुद्धजन उपस्थित थे द्य वक्ता मंच के अध्यक्ष राजेश पराते ने जानकारी दी है कि ऐसे आयोजनों से प्रेरित होकर अब बड़ी संख्या में लोग सेवा भावना के साथ त्यौहारों व अपने जीवन के विशेष दिनों को उत्सवित करने वक्ता मंच के इस अभियान के साथ जुड़ते जा रहे है।

जांजगीर नैला स्टेशन में चौथी लाइन कनेक्टिविटी कार्य के कारण निरस्त

रायपुर/बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल अंतर्गत जांजगीर नैला स्टेशन पर चौथी लाइन कनेक्टिविटी हेतु किए जा रहे नॉन-इंटरलॉकिंग (ह्ल्ढ्ढ) कार्य के कारण पूर्व में निरस्त एवं आंशिक रूप से निरस्त की गई निम्न यात्री ट्रेनों को रिस्टोर किया जा रहा है।रिस्टोर की गई ट्रेनें गाड़ी संख्या68737 (रायगढ़ङ्कबिलासपुर) मेमू को 23.04.2026 से 27.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी गाड़ी संख्या 68738 (बिलासपुरङ्करायगढ़) मेमू को 23.04.2026से 27.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी ।

अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी गाड़ी संख्या 68736 (बिलासपुरङ्करायगढ़) मेमू को 22.04.2026 से 26.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगीगाड़ी संख्या 68735 (रायगढ़ङ्कबिलासपुर) मेमू को 23.04.2026 से 27.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी गाड़ी संख्या 68746 (रायपुरङ्कगेवरारोड) मेमू को 22.04.2026 से 26.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी गाड़ी संख्या 68745 (गेवरारोडङ्करायपुर) मेमू को 23.04.2026 से 27.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी गाड़ी संख्या 58204 (रायपुरङ्ककोरबा) पैसेंजर को 22.04.2026 से 26.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी गाड़ी संख्या 58203 (कोरबाङ्करायपुर) पैसेंजर को 23.04.2026 से 27.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी गाड़ी संख्या 68734 (बिलासपुरङ्कगेवरारोड) मेमू को 23.04.2026 से 27.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी गाड़ी संख्या 68733 (गेवरारोडङ्कबिलासपुर) मेमू को 23.04.2026 से 27.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है ।

शहीद अरुण केशव सप्रे की जयन्ती आज

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय वायुसेना के स्क्वाड्रन लीडर टेस्टिंग पायलट रायपुर निवासी शहीद अरुण केशव सप्रे की जयन्ती दिनांक 23 अप्रैल 2026 गुरूवार को प्रातः 11 बजे रायपुर नगर पालिक निगम के मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के चतुर्थ तल पर स्थित नगर पालिक निगम सामान्य सभा सभागार में स्थित शहीद अरुण केशव सप्रे के तैल चित्र के समक्ष उनका सादर ससम्मान नमन करने पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है। भारत और पाकिस्तान के मध्य वर्ष 1971 में हुए युद्ध के दौरान भारतीय वायुसेना के लिए युद्धाभ्यास की तैयारियों की ड्यूटी पर भारतीय वायुसेना के युद्धक विमान मारूत की युद्धाभ्यास तैयारी करवाने के दौरान आकस्मिक युद्धक विमान दुर्घटना में भारतीय वायुसेना के स्क्वाड्रन लीडर टेस्टिंग पायलट रायपुर निवासी शहीद अरुण केशव सप्रे का आकस्मिक देवलोकगमन हो गया. रायपुर निवासी शहीद अरुण केशव सप्रे की मधुर पुण्य स्मृतियों को चिरस्थायी बनाने रायपुर नगर पालिक निगम ने नगर निगम सामान्य सभा सभागार में उनका तैल चित्र लगाया और तैल चित्र के समक्ष शहीद अरुण केशव सप्रे की जयन्ती दिनांक 23 अप्रैल और पुण्यतिथि दिनांक 21 नवम्बर को हर वर्ष नियमित रूप से रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 4 के सहयोग से पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। प्रातः 11 बजे आयोजित शहीद अरुण केशव सप्रे की जयन्ती पर पुष्पांजलि कार्यक्रम में भारतीय वायुसेना के स्क्वाड्रन लीडर टेस्टिंग पायलट रायपुर निवासी शहीद अरुण केशव सप्रे से सम्बंधित उनके तैल चित्र के आसपास की विशेष सफाई, तैल चित्र की पुष्पसज्जा सहित अन्य आवश्यक प्रशासनिक व्यवस्थायें रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में रायपुर नगर पालिक निगम के सम्बंधित जोन क्रमांक 4 के सहयोग से की जायेंगी।

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज जी एवं रायपुर शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन जी के निर्देश अनुसार में विरांगना अवंती बाई ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अंतर्गत राजीव गांधी वार्ड कर्मांक 13 से 8 वार्ड कार्यकर्ता वीरांगना अवनी बाई ब्लॉक में नवनियुक्त पद अधिकारी श्री श्याम सिक्का जी श्री मुन्ना खान सोलंकी जी श्री चितरंजन साहू जी श्री चंद्रभान ध्रुव जी श्री संजू ठाकुर जी श्री दीपक दीप जी श्री बजरंग तांडी जी शिवम श्रीवास्तव जी का पुष्प माला एवं मिठाई खिला कर उनका सुवागत एवं सम्मान किया वीरांगना अवंती बाई ब्लॉक अध्यक्ष श्री कमल घृतलहरे जी राजीव गांधी वार्ड 13 अध्यक्ष श्री इमरान हिंगोरा जी श्री मकसूद अली जी सागर तांडी जी श्री संजय सोनी जी माधवराव छुरा जी श्री आकाश नाग जी श्री करीम खान जी श्री कालिदास दुर्गा जी एवं राजीव गांधी वार्ड कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित हुवे ।

PUBLIC NOTICE

AS PER THE INDIAN PARTNERSHIP ACT. 1932

Be it known to all that partnership firm **M/s NAVKAR GLOBAL** RAIPUR (C.G) has undergone changes from which partners namely **Mr. Sanjay Golchha** S/o Late Umed Chand Golchha & **Mr Vinesh Golchha** S/o Gautam Chand Golchha has retired **w.e.f 26/11/2025** And **Ashok Kumar Nimani** S/o. Dharam Chand Nimani & **Gautam Chand Luniya** S/o. Late Shri Shanti Lal Luniya has been admitted as partner **w.e.f. 26/11/2025.**

RAIPUR

For M/s Navkar Global
(Ashok Kumar Nimani)

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना

क्रम सं. (1): ई निविदा संख्याः डीआरएम इंजी. बीएसपी-टी-34-26-27, दिनांक 17-04-2026

कार्यः सहायक मंडल अभियंता/पेंड्रा के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत टेंगनमाड़ा, वेंकटनगर, निगौरा और जैतहरी रेलवे स्टेशनों के प्लेटफार्म का ऊँचा उठाना/ उन्नयन।

निविदा मूल्य (रु) : 6,58,71,824.80/-
अमानत राशि (रु) : 13,17,400.00/-
कार्य पूर्णता की अवधि : 18 माह

क्रम सं.(2): ई निविदा संख्याः डीआरएम इंजी. बीएसपी-टी-35-26-27, दिनांक 17-04-2026

कार्यः वरिष्ठ मंडल अभियंता / मध्य / बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत जयरामनगर, गतौरा, घुटकू, कलमीटार, सलकारोड, बेलगहना, टेंगनमाड़ा, खोंगसरा, खोडरी, हर्री, वेंकटनगर, निगौरा और जैतहरी रेलवे स्टेशन पर एफओबी में सुधार।

निविदा मूल्य (रु) : 4,86,73,771.40/-
अमानत राशि (रु) : 9,73,500.00/-
कार्य पूर्णता की अवधि : 12 माह **निविदा जमा की आरंभ तिथी** : दिनांक 28-04-2026 के 11.00 बजे से । **निविदा जमा की अंतिम तिथी** : दिनांक 12-05-2026 के 11.00 बजे तक ।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओ हेतु ई-टेन्डर के अलावा अन्य टेन्डर स्वीकार नहीं की जाएगी ।

मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)
सीपीआर/10/AM/54 द.पू.म.रेलवे बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर
नवीन मुख्यालय भवन, नगर पालिक निगम, गांधी चौक के पास, रायपुर (छ.ग.)
फोन.न- 0771-2535780, 90, फैक्स: 0771-2227395; ई-मेल: dc_rmc@rediffmail.com

क्रमांक : 255/यो. शाखा/नपानि / 2026 रायपुर, दिनांक 22/04/2026

निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिक निगम, रायपुर द्वारा अनुभवी अधिकृत एजेंसी / फर्म/निर्माता कंपनी जिन्हें इस प्रकार के कार्य का अनुभव हो सीलबंद निविदा नॉन एस.ओ.आर. आयटम हेतु फार्म "B" में ऑयटम दर पर दो लिफाफ पद्धति से **दिनांक 13.05.2026** को अपरांह 4:00 बजे तक स्पीड पोस्ट अथवा रजिस्टर्ड पोस्ट के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। इस हेतु निविदा प्रपत्र कार्यालयीन अवधि एवं समय पर योजना शाखा से **दिनांक 08.05.2026** तक निर्धारित शुल्क अदा कर प्राप्त किया जा सकता है। निविदा **दिनांक 13.05.2026** को अपरांह 4:30 बजे उपस्थित निविदाकार / उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जावेगी।

क्र.	कार्य का नाम	आगणित . राशि रू	अमानती राशि रू.	निविदा प्रपत्र	ठेकेदार श्रेणी	कार्यावधि
1.	रायपुर शहर में स्थापित 12 नग 1000 LPH Water ATM का 06 माह की अवधि हेतु रख-रखाव एवं संचालन संधारण कार्य।	5,94,720/-	7500/-	750/-	क्लॉस 'डी अथवा निर्माता कंपनी/अधिकृत /अनुभवी फर्म	06 माह

नियम शर्ते :-
1. सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जावेगी।
2. अमानती राशि राष्ट्रीयकृत बैंक से जारी एफडी.आर. अथवा बैंक ड्राफ्ट के रूप में आयुक्त, नगर पालिक निगम, रायपुर के नाम से स्वीकार होगी।
3. लिफाफा (अ) में अमानती राशि एंव लिफाफा(ब) में वित्तीय आफर।
4. लिफाफा (अ) में राशि रू. 100/- के नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर में निविदा के साथ प्रस्तुत किये जाने वाले समस्त दस्तावेजों के सत्यापन संबंध में शपथ पत्र प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य है।
5. कार्य की स्पेशिफिकेशन एवं अन्य जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
6. किसी भी निविदा को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार आयुक्त नगर निगम, रायपुर को होगा।
7. कार्यानुभव प्रमाण-पत्र व पूर्व में वॉटर ए.टी.एम. स्थापना / संधारण का अनुभव प्रमाण-पत्र इत्यादि प्रस्तुत किये जाने पश्चात् ही निविदा प्रपत्र जारी किया जावेगा।
8. निविदा संबंधी कार्य का दायरा, पेनाल्टी एवं अन्य तकनीकी शर्तें कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं।

घरों से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को दवें

कार्यपालन अभियंता,
नगर पालिक निगम
रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई
(संपत्तिकर विभाग)

क्रमांक/चार/तीन/सं.क.वि./2026/41/33 भिलाई, दिनांक 21/04/2026

// स्वामित्व के हस्तांतरण की सूचना //

इस ईश्तहार द्वारा हित रखने वाले हितग्राही को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 में स्वत्वाधिकार के अंतरण के संबंध में निम्नलिखित हस्तांतरिती के नाम से जिसका कि नगर पालिक निगम भिलाई के संपत्तिकर अभिलेख में हस्तांतरणकर्ता के स्थान पर नाम दर्ज किया जाना है यदि किसी को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 15 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरकार्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है बाद मे प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा:-

क्र.	हस्तांतरणकर्ता का नाम	हस्तांतरिती का नाम	हस्तांतरण	संपत्ति की स्थिति
1	श्रीमती शुभागी कोन्हेर पति श्री रविन्द्र नारायण कोन्हेर, श्री रविन्द्र नारायण कोन्हेर, पिता स्व. एन.पी. कोन्हेर, दोनों निवासी बी-705, सडक-22, महर्षि विद्या मंदिर के पास, स्मृति नगर जुनवानी भिलाई, तह, थ जिला- दुर्ग (छ.ग.)	श्रीमती पी. प्रसन्ना लक्ष्मी, पति श्री गंगाधर, निवासी शॉप नंबर-19, MPR ROAD, सुभाष मार्केट, सेक्टर-11. जोन-02, खुर्सीपार भिलाई, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	स्मृति नगर वार्ड नं.-02, स्मृति नगर भिलाई अन्दर भाग, खसरा नं. 288/465 य 288/498, प्लाट नं.-क्वा-705, रकबा-3255 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
2	"चौहान हाउसिंग" (चौहान ग्रीन वैली) अपोजिट चौहान टाउन, जुनवानी, भिलाई. प्रोपराईटर - श्री अजय चौहान आ. स्व. श्री विपत (दीपेश्वर) चौहान, निवासी राजीव नगर, भिलाई तह व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	श्रीमती मीना गोयल, ध.प. श्री रमेश चंद गोयल. मोहल्ला/गांव/कॉलोनी-हाउस नं 761, स्ट्रीट नं.-10. शांति नगर, भिलाई, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	वार्ड नं. 01. "चौहान हाउसिंग" चौहान ग्रीन वैली, खम्हरिया जुनवानी भिलाई, फ्लैट नं. 07, प्रथम तल, ब्लॉक नं-D/3, क्षेत्रफल663.27 वर्गफीट, आवासीय फ्लैट निर्मित।
3	"चौहान हाउसिंग" (चौहान ग्रीन वैली) अपोजिट चौहान टाउन, जुनवानी, भिलाई, प्रोपराईटर श्री अजय चौहान आ. स्व. श्री विपत (दीपेश्वर) चौहान, निवासी राजीव नगर, भिलाई तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	श्रीमती सौम्या गोयल, ध.प. श्री जितेन्द्र मोहल्ला /गांव /कॉलोनी-गोयल, हाउस नं. 761, स्ट्रीट नं.-10, शांति नगर, भिलाई, तह व जिला दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	वार्ड नं. 01. " चौहान हाउसिंग चौहान ग्रीन वैली, खम्हरिया जुनवानी भिलाई, फ्लैट नं 06. प्रथम तल, ब्लॉक नं.-D/3, क्षेत्रफल - 663.27 वर्गफीट, आवासीय फ्लैट निर्मित।
4	1. स्व. मानस सेनगुप्ता आ. श्री नागेन्द्र सेनगुप्ता, 2. स्व. श्रीमती नंदिता सेनगुप्ता, निवासी-एचआईजी-27. हुडको भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.)	1. मिताली सेनगुप्ता पिता स्व. श्री मानस सेनगुप्ता (पति निलांजन सेनगुप्ता), 2. दीपाली गुप्ता पिता स्व.मानस सेनगुप्ता (पति गौतम गुप्ता), निवासी वार्ड क्र.12, सूर्या रेसीडेन्सी अपार्टमेंट पलैट नं.-गोल्ड 401, ब्लाक-सी, चतुर्थ तल, कोहका भिलाई, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)	वारिसान	वार्ड क्र. 12, सूर्या रेसीडेन्सी अपार्टमेंट कोहका भिलाई, पलैट नं. गोल्ड 401, ब्लाक-सी, चतुर्थ तल, क्षेत्रफल 1209.00 वर्गफुट, आवासीय पलैट निर्मित।
5	1. स्व. श्री प्रेमेन्द्र सिंह चौहान आ. स्व. श्री जय सिंह चौहान, 2. श्रीमती सुनीता सिंह, ध.प. स्व. श्री प्रेमेन्द्र सिंह चौहान, निवासी 4बी/32. सेक्टर-09, मिलाई, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	1. श्रीमती सुनीता सिंह, ध.प. स्व. श्री प्रेगेन्द्र सिंह चौहान, 2. प्रज्ञा सिंह चौहान, पिता स्व. श्री प्रेमेन्द सिंह चौहान, 3. पारिश सिंह चौहान पिता स्व. श्री प्रेमेन्द्र सिंह चौहान, निवासी वार्ड 02, "चौहान टाउन' फ्लैट नं. 05. ब्लॉक-सी1, भूतल, स्मृति नगर, भिलाई. तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	वारिसान	वार्ड- 02, "चौहान टाउन' स्मृति नगर, भिलाई, फ्लैट नं. 05, ब्लॉक-सी1, भूतल, क्षेत्रफल 1195.65 वर्गफीट, आवासीय फ्लैट निर्मित।
6	1. स्मिता सेन, पिता श्री शंकर सेन, 2. शंकर सेन पिता स्व.बी.आर. सेन, दोनो निवासी मकान नं-बी-4/18, चौहान ग्रीन वैली, मोतीलाल नेहरू नगर जुनवानी, भिलाई, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)	शंकर सेन पिता स्व.बी.आर. सेन, निवासी मकान नं. बी-4/18. चौहान ग्रीन वैली, मोतीलाल नेहरू नगर जुनवानी, भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	हकत्याग	जुनवानी, वार्ड नं. 01 चौहान ग्रीन वैली जुनवानी भिलाई, खसरा नंबर 42 एवं 46, फ्लैट नं. 18, पंचम तल, ब्लॉक नं. बी-4, क्षेत्रफल 840 वर्गफीट, आवासीय पलैट निर्मित।
7	श्रीमती संतोषी देवी पति स्व. श्री पवन अग्रवाल, के तरफसे आम मुख्तयार राकेश अग्रवाल, पिता स्व. श्री पवन अग्रवाल, दोनो निवासी श्रीराम हाईट्स के पास, कैलाश नगर, कुरूद भिलाई, तह व जिला दुर्ग (छ.ग.)	श्रीमती रश्मि दुबे पति साजन कुमार दुबे, निवासी एल.आई.जी. 1107, हाउसिंग बोर्ड, वार्ड नं. 16. इंडस्ट्रियल एस्टेट भिलाई दुर्ग तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	कुरूद. (वार्ड नं. 16 कैलाश नगर अंदर भाग), खसरा नं 1605/18, प्लाट नं.-24 ए. रकबा 800 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।

अपर आयुक्त
नगर पालिक निगम

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./30652/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 22-04-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 30652
वार्ड का नाम-27- इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **27** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR737D0168B** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **KAMLA DEVI CHOPDA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MANOHAR LAL CHOPDA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1 श्री किशन कलवानी 2 श्री गोविन्द कलवानी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री भगवान दास कलवानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./30651/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 22-04-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 30651
वार्ड का नाम-27- इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **27** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR737D0168A** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **KAMLA DEVI CHOPDA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MANOHAR LAL CHOPDA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1 श्री गोविन्द कलवानी 2 श्री किशन कलवानी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री भगवान दास कलवानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./30613/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 22-04-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 30613
वार्ड का नाम-28- शहीद हेमू कलाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **28** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR223O00127** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **GURMEET KAUR GILL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MANDEEP SINGH GILL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1 श्री आर्यन कुमार 2 श्री अरूण आर्य** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री राजकुमार आर्य** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./30618/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 22-04-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 30618
वार्ड का नाम-26- दानवीर भामाशाह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **26** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR109B00176** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **N.L. SWAMI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **M.V.R. SWAMI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1 MR. HRISHIKESH RATHORE 2. SMT. SURBHI RATHORE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. SHYAM BIHAR RATHORE 2. HRISHIKESH RATHORE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./30623/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 22-04-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 30623
वार्ड का नाम-14- रमण मंदिर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **14** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR220C00045** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MR. SHYAM SUNDAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **...** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री प्रकाश कुमार टांक** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. श्री श्याम सुंदर टांक** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, सहमति पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, बैनामा** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /30513/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 20-04-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 30513
वार्ड का नाम-9- पं. मोतीलाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **9** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227V0213F** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **AMIT KUMAR BAJAJ** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DWARIKA DAS BAJAJ** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **संतोषी राठौर** पिता/पति, श्री/श्रीमती **रमेश कुमार राठौर** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /30500/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 20-04-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 30500
वार्ड का नाम- 7 - कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **7** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226E01991** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GURUPREET KAUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. AMARJEET SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ह्दया बाजपेई** पिता/पति, श्री/श्रीमती **अमोद कुमार** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /30432/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 20-04-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 30432
वार्ड का नाम- 7 - कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **7** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226E01865** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GAURI YADAV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GYANESHWAR PRASAD YADAV** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. सौरभ कुमार साहू 2. ऋषभ साहू** पिता/पति, श्री/श्रीमती **भरत लाल साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

आगामी 9 मई को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत की तैयारी बैठक सम्पन्न

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार-) प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती विनीता वार्नर की अध्यक्षता में बैंक, विद्युत, दूरसंचार एवं नगरपालिका अधिकारियों के साथ हुई महत्वपूर्ण बैठक।

छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के तत्वाधान में वर्ष 2026 की दूसरी नेशनल लोक अदालत के सफल एवं प्रभावी आयोजन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आगामी 09 मई 2026 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत की तैयारियों को लेकर समस्त बैंक शाखा प्रबंधकों, विद्युत विभाग, दूरसंचार विभाग एवं नगरपालिका अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई।

यह बैठक श्रीमती विनीता वार्नर, अध्यक्ष/प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में श्री डी.एस. बघेल, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, सूरजपुर तथा सुश्री पायल टोपनो, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सूरजपुर उपस्थित रहीं।

प्री-लिटिगेशन प्रकरणों के शीघ्र चिन्हांकन पर दिया जोर

बैठक में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती विनीता वार्नर ने बताया कि 09 मई 2026 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत वर्ष 2026 की दूसरी लोक अदालत होगी। उन्होंने प्री-लिटिगेशन प्रकरणों को चिन्हांकित कर शीघ्रता से प्रस्तुत करने एवं अधिक से अधिक

प्रकरण पेश करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि पक्षकारों को जल्दी नोटिस प्राप्त होने से छोटे-मोटे लेन-देन वाले पक्षकारों को प्रकरण समाप्त करने हेतु उचित व्यवस्था करने का समय मिलता है, जिससे अधिक से अधिक मामलों के निराकरण की संभावना बनती है। बैठक में प्री-लिटिगेशन प्रकरणों के निराकरण एवं विभागीय नियमानुसार प्रदान की जाने वाली छूट के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।

विद्युत उपभोक्ताओं हेतु समाधान योजना 2026 लागू- बैठक में विद्युत विभाग की ओर से उपस्थित अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी की ओर से बीपीएल, अशासकीय घरेलू एवं अशासकीय केवल कृषि श्रेणी के उपभोक्ताओं के बकाया राशि पर समाधान योजना 2026 के अंतर्गत छूट प्रदान की जा रही है। यह योजना 30 जून 2026 तक प्रभावशील रहेगी, जिसका लाभ पात्र उपभोक्ता उठा सकते हैं।

लोक अदालत में रखे जाएंगे विविध प्रकृति के प्रकरण- आगामी 09 मई 2026 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित आपसी विवाद के मामले, व्यवहार वाद, मोटर दुर्घटना दावा, पारिवारिक विवाद, जिला न्यायालय में वर्षों से लंबित राजस्व प्रकरण एवं बैंक ऋण, विद्युत, जल के बकाया देयकों आदि से संबंधित प्री-लिटिगेशन प्रकरण रखे जाएंगे।

आम नागरिकों से अधिकाधिक भागीदारी की अपील-जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से आम नागरिकों से अपील की गई है कि 09 मई 2026 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर लोक अदालत का लाभ प्राप्त करें। लोक अदालत विवादों के निपटारे का एक सशक्त वैकल्पिक माध्यम है, जहां एक ओर जहां श्रम एवं धन की बचत होती है, वहीं दूसरी ओर लोगों के मध्य आपसी विवाद हमेशा के लिए समाप्त होने के साथ-साथ आपसी बैर-भाव की भावना भी सदैव के लिए समाप्त हो जाती है।

सूरजपुर बना प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में प्रदेश का अग्रणी जिला

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के प्रभावी क्रियान्वयन में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए विगत दो वर्ष

(वित्तीय वर्ष 2024-26) अंतर्गत राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह सफलता जिला कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विजेंद्र सिंह पाटले के कुशल निर्देशन, सतत मॉनिटरिंग और समर्पित प्रयासों का परिणाम है।

गौरतलब है कि शासन की महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत जिले में कुल 72,368 पात्र परिवारों को आवास स्वीकृत किए गए थे। इनमें से अब तक 63,947 आवासों का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है, जो कि 88.36: की प्रभावशाली उपलब्धि को दर्शाता है। यह आंकड़ा न केवल प्रशासनिक दक्षता का प्रमाण है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन स्तर सुधारने की दिशा में एक ठोस कदम भी है। वित्तीय प्रबंधन के स्तर पर भी सूरजपुर जिला अग्रणी रहा है। आवास निर्माण के लिए निर्धारित 868.42 करोड़ रुपये के लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 809.23 करोड़ रुपये, अर्थात् 93.18: राशि सीधे हितग्राहियों के खातों में अंतरित की जा चुकी है। इससे पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है और निर्माण कार्य में तेजी आई है।

इसके साथ ही, जिले में भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए ÷आवास प्लस 2.0÷ के तहत 1.40 लाख से अधिक परिवारों का नवीन सर्वे भी सफलतापूर्वक पूरा किया गया है, जिससे आने वाले समय में और अधिक जरूरतमंद परिवारों को योजना का लाभ मिल सकेगा। जिला प्रशासन की सक्रियता, जमीनी स्तर पर निरंतर निगरानी, और हितग्राहियों की सहभागिता ने इस योजना को एक जन-आंदोलन का रूप दे दिया है। आज सूरजपुर जिले के हजारों परिवार अपने पक्के घर का सपना साकार होते देख रहे हैं।

श्रमिक संगठन एटक ने केतकी खदान के गेट पर नौ सूत्रीय मांगों को ले कर प्रबंधक के खिलाफजमकर की नारेबाजी

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) श्रम संगठन एटक ने ठेका श्रमिकों की 9 सूत्रीय मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया ।प्रबंधन को तीन दिन का अल्टीमेटम दिया है ।मांगें पूरी न होने पर आरजीके कार्यालय के घेराव की चेतावनी दी है। जानकारी के अनुसार संयुक्त कोयला मजदूर संघ (एटक) के बैनर तले एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की केतकी भूमिगत खदान के समक्ष ठेका श्रमिकों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर हुंकार भरी। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, सुबह 7 से 9 बजे तक चले इस सांकेतिक धरने में बड़ी संख्या में श्रमिकों ने हिस्सा लेकर प्रबंधन की वादाखिलाफी के खिलाफ उग्र नारेबाजी की।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एटक के क्षेत्रीय सचिव कामरेड पंकज कुमार गर्ग ने प्रबंधन पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि लिखित आश्वासनों के बाद भी श्रमिकों की समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खदान में ठेका श्रमिकों के लिए कोई स्टैंडिंग ऑर्डर नहीं है, जिससे कंपनियां मनमानी कर रही हैं। महीने में श्रमिकों को मात्र 10-15 दिन ही काम दिया जा रहा है, जो उनके आर्थिक शोषण का प्रमाण है। सुरक्षा मानकों की भारी अनदेखी की जा रही है। सीएमपीएफके नाम पर लाखों की कटौती की गई, जिसका भुगतान डेढ़ साल बाद भी नहीं हुआ। नियोजन और टर्मिनेशन का कोई ठोस नियम न होने से पेटी कॉन्ट्रैक्टर और दलाल भ्रष्टाचार और अवैध उगाही कर रहे हैं। कामरेड गर्ग ने बताया कि वर्ष 2024-25 का पीएलआई/बोनस का पूर्ण भुगतान नहीं हुआ है और न ही श्रमिकों को वेतन या बोनस पर्ची दी जा रही है। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि अब श्रमिकों का शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। धरना प्रदर्शन को क्षेत्रीय उपाध्यक्ष कामरेड आर.के. द्विवेदी और क्षेत्रीय कल्याण समिति सदस्य सजल मित्रा ने भी संबोधित किया। उन्होंने श्रमिकों को उनके वैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और हक की लड़ाई के लिए एकजुट होने का आह्वान किया।

संघ ने ज्ञापन सौंपकर प्रबंधन को तीन कार्य दिवसों का अल्टीमेटम दिया है। एटक ने स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित समय के भीतर सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई, तो यूनियन आरजीके सहक्षेत्र कार्यालय का घेराव करेगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी एसईसीएल प्रबंधन की होगी।

सर्व समाज की विधवा, तलाकशुदा महिलाओं का विवाह हेतु पंजीयन है नि:शुल्क होगा-विजय राज अग्रवाल

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-अग्रसेन भवन बिश्रामपुर में 3 मई 2026 को आयोजित हो रहे, सर्व समाज की विधवा, तलाकशुदा, परित्यकता एवं निराश्रित महिलाओं का परिचय सम्मेलन आयोजित है, इसमें उक्त वर्ग की महिलाओं का पंजीयन शुल्क एवं परिचय सम्मेलन में भाग लेने की नि:शुल्क व्यवस्था की गई है। उक्त जानकारी वैश्य वर्ल्ड फाउण्डेशन के अध्यक्ष विजयराज अग्रवाल ने जानकारी देते हुए लोगों से अपील की है कि सर्व समाज के लोग अपने-अपने समाज की महिलायें जिनके जीवन में परिस्थितिवश रुकावटें आई है और वे वैवाहिक जीवन से विरक्त हो चुकी हैं वे 03 मई 2026 को बिश्रामपुर में अग्रसेन भवन में आकर परिचय सम्मेलन स्थल पर ही पंजीयन करवा कर भाग ले सकते हैं, इस हेतु सभी वैश्य वर्ग के गुप्ता, अग्रवाल, केशरवानी, अग्रहरि, जायसवाल, हलवाई, स्वर्णकार, ब्राहमण, क्षत्रिय एवं पिछड़ा वर्ग की समस्त जाति के लोग भाग ले सकते हैं। उक्त परिचय सम्मेलन में आवेदक / आवेदिका का आना अनिवार्य है, उनके साथ अधिकतम 02 व्यक्तियों को ही सम्मेलन स्थन पर प्रवेश दिया जावेगा। आवेदन पत्र के साथ एक पासपोर्ट साइज फोटो, एक सिर से लेकर पेर तक का पोस्टकार्ड साइज फोटो, आधार कार्ड की फोटोकॉपी, पति/पत्नि की मृत्यु होने का मृत्यु प्रमाण पत्र, तलाक की स्थिति में तलाक के वैद्य दस्तावेज की फोटोकॉपी तथा आवेदक/आवेदिका दिव्यांग हो तो दिव्यांगता प्रमाण पत्र की स्वप्रमाणित प्रतिसंलग्न करना अनिवार्य होगा। इस आयोजन के लिये रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया प्रारंभकर दी गई है, इस हेतु पंजीयन कार्यालय वी. एम. नर्सिंग कालेज परिसर, पुलिस थाना जयनगर के सामने कालेज भवन में बनाया गया है इच्छुक युवक युवतियों को रजिस्ट्रेशन के लिये कुछ आवश्यक दस्तावेज (फोटो, बायोडाटा, आधार कार्ड) के साथ पंजीयन कार्यालय में सम्पर्क कर अपना पंजीयन करा सकते हैं।

बहुत जल्दी वनांचल में विकास की फैलेगी रोशनी

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के पहल से सूरजपुर के दर्जनों टोलों के विद्युतीकरण की मिली मंजूरी

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा दूरस्थ क्षेत्रों के समग्र विकास को नई गति मिल रही है। इसी क्रम में राज्य की महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के विशेष प्रयासों से सूरजपुर जिले के वनांचल क्षेत्रों में बिजली पहुंचाने की दिशा में बड़ी पहल साकार हुई है। भटगांव विधानसभा क्षेत्र के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के दर्जनों गांवों और आश्रित टोलों के विद्युतीकरण के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा तकनीकी स्वीकृति प्रदान करते हुए कार्य आदेश जारी कर दिए गए हैं।

दर्जनों गांवों में पहुंचेगी बिजली, बदलेगा जीवन स्तर- मंत्री श्रीमती राजवाड़े की पहल पर कोल्हुआ, महुली, करोटी, चोंगा सहित कई ग्राम पंचायतों के विभिन्न टोलों में

विद्युतीकरण कार्य स्वीकृत हुआ है। इसके अंतर्गत स्कूलपारा, हरिजनपारा, पांडोपारा, खासपारा, पहाड़पारा, मधवानीपारा, आमपारा और श्यामपारा जैसे क्षेत्रों में पहली बार नियमित विद्युत सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।इसके साथ ही कछवारी, खैरा, नवडीहा और कछिया जैसे अन्य क्षेत्रों को भी इस योजना में शामिल किया गया है।

जिससे व्यापक स्तर पर ग्रामीण आबादी लाभान्वित होगी।

सीएसपीडीसीएल द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार सभी कार्यों को प्रारंभ होने के तीन माह के भीतर पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। परियोजना के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी सूरजपुर के कार्यपालन अभियंता को सौंपी गई है, ताकि समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित हो सके।

वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों की यह लंबे समय से प्रमुख मांग रही है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने इस विषय को प्राथमिकता में रखते हुए लगातार विभागीय स्तर पर समन्वय किया, जिसके परिणामस्वरूप करोड़ों रुपये की लागत से 28 से अधिक विद्युतीकरण कार्यों को मंजूरी मिली।

इस पहल से न केवल घरों में उजाला होगा, बल्कि बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और स्थानीय रोजगार एवं छोटे व्यवसायों को भी नई गति मिलेगी।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताया और उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन और जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हो रहा है, जिससे अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंच रही है।

अक्षय तृतीया पर जिले में 10 बाल विवाह रोके गए, कलेक्टर के निर्देश पर सक्रिय रहा उड़नदस्ता दल

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) बाल विवाह मुक्त सूरजपुर की दिशा में जिला प्रशासन ने अक्षय तृतीया के मुहूर्त पर एक महत्वपूर्ण सफलता अर्जित की है। कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन के निर्देश पर पूरे जिले में प्रशासनिक अमले का उड़नदस्ता दल अक्षय तृतीया पर होने वाले विवाहों पर सतत नजर बनाए हुए था, जिसके परिणामस्वरूप जिले में कुल 10 बाल विवाह समय रहते रोके गए।

बाल विवाह मुक्त सूरजपुर का संकल्प- कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन ने बाल विवाह मुक्त सूरजपुर बनाने के उद्देश्य से जिले के समस्त विकासखण्डों में उड़नदस्ता दल गठित किए थे। अक्षय तृतीया के अवसर पर विवाहों की सघन जाँच के दौरान 10 स्थानों पर बाल विवाह होते पाए जाने पर परिजनों को समझाईश दी गई तथा विवाह रोकवाए गए। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री शुभम बंसल इस दौरान सभी से संवाद कर यह सुनिश्चित करते रहे कि जिले में कहीं भी बाल विवाह न हो। जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री मनोज जायसवाल समस्त उड़नदस्ता दलों, परियोजना अधिकारियों, पर्यवेक्षकों, जिला बाल संरक्षण इकाई एवं चाइल्ड लाइन की टीम के साथ सक्रिय रहकर कार्यवाही का मार्गदर्शन करते रहे।

चार दिनों में चार विकासखण्डों में कार्यवाही- अक्षय तृतीया के अवसर पर मात्र चार दिनों के भीतर विकासखण्ड रामानुजनगर से 02 बाल विवाह, विकासखण्ड भैयाथान से 04 बाल विवाह, विकासखण्ड प्रतापपुर से 02 बाल विवाह तथा विकासखण्ड ओडगी के बिहारपुर से 02 बाल विवाह रोके

गए। रोके गए बाल विवाहों में 17 वर्षीय बालक एवं 14 वर्षीय बालिका भी शामिल हैं।

अभिभावकों को दी गई विधिक जानकारी- समस्त प्रकरणों में बालिका एवं बालक के अभिभावकों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि बाल विवाह केवल एक सामाजिक बुराई ही नहीं, अपितु एक गंभीर अपराध भी है। अधिनियम के अंतर्गत बाल विवाह कराने वाले, करने वाले एवं सहयोग करने वाले सभी व्यक्तियों को 02 वर्ष की सजा एवं 01 लाख रुपये का जुर्माना अथवा दोनों से दण्डित किए जाने का प्रावधान है। परिजनों को यह संदेश भी दिया गया कि बालिका का विवाह तभी किया जाए जब वह अपने पैरों पर खड़ी हो जाए। सभी स्थानों पर विवाह रोकने का पंचनामा, कथन एवं शपथ पत्र लिया गया तथा स्पष्ट किया गया कि इसके पश्चात यदि विवाह संपन्न किया गया तो बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के तहत थाने में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी, जिसकी समस्त जवाबदारी परिजनों की होगी।

अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी- बाल विवाह रोकने की इस संयुक्त कार्यवाही में तहसीलदार श्री गनहरण सिंह राठिया, जिला बाल संरक्षण इकाई से जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री मनोज जायसवाल, परियोजना अधिकारी सुश्री अनुराधा आर्या, संरक्षण अधिकारी श्री अखिलेश सिंह, विधिक सह परिविक्षा अधिकारी श्री अमित कुमार भारिया, सामाजिक कार्यकर्ता अंजनी साहू, आउटरीच वर्कर आरती राजवाड़े, चाइल्ड लाइन से जनार्दन यादव, प्रकाश राजवाड़े, दिनेश यादव, यशोदा गुप्ता, शीता सिंह, पर्यवेक्षक श्रीमती रत्यवती दास, श्रीमती गंगोत्री मानिकपुरी, श्रीमती सर्वधा कुर्रे, श्रीमती शीला वर्मा, श्रीमती राधा कंवर, श्रीमती प्रभा, श्रीमती तारा पटेल, थाना प्रभारी रमकोला श्री हीरालाल साहू, थाना प्रभारी चांदनी बिहारपुर आर. पी. साहू, एस.आई. छेत्रपाल सिंह, प्रधान आरक्षक अनिल कुजुर, आरक्षक प्रेम सिंह, भुनेश्वर सिंह, आरक्षक मनोज जायसवाल, ग्राम आरक्षक करथुला मिंज, अश्विन कुजुर, विजयी सिंह मरकाम, राम प्रसाद शांडिल्य, रामशंकर पौरे सहित सरपंच, सचिव एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ से एयरलिफ्ट कर लाए गए 9 माह के शिशु की हैदराबाद में 45 दिन के इलाज के बाद जान बची

हैदराबाद: छत्तीसगढ़ के रायपुर निवासी 9 माह के एक गंभीर रूप से बीमार शिशु को एयरलिफ्ट कर हैदराबाद लाया गया, जहां किम्स कडल्स (KIMS Cuddles) कोंडापुर में करीब 45 दिन तक चले गहन इलाज के बाद उसकी जान बचाई गई। किम्स कडल्स, कोंडापुर के पीडियाट्रिक्स के क्लिनिकल डायरेक्टर एवं पीआईसीयू (PICU) प्रमुख डॉ. पराग डेकाटे के अनुसार, शिशु को शुरुआत में सर्दी-खांसी के लक्षणों के साथ स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लेकिन एक सप्ताह के भीतर उसकी स्थिति तेजी से बिगड़ गई। वेंटिलेटर पर रखने के बावजूद ऑक्सीजन स्तर लगातार गिरता गया और स्थिति अत्यंत गंभीर हो गई। जांच में शिशु को एडेनोवायरल निमोनिया (Adenoviral Pneumonia) का गंभीर संक्रमण पाया गया, जिससे फेफड़ों में गंभीर समस्या और श्वसन विफलता (Respiratory Failure) हो गई। स्थिति नाजुक होने पर किम्स कडल्स, कोंडापुर की पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर ट्रांसपोर्ट टीम रायपुर पहुंची। वहां शिशु को वेंटिलेटर पर स्थिर करने के बाद सुरक्षित रूप से हैदराबाद एयरलिफ्ट किया गया। हैदराबाद पहुंचने पर पीआईसीयू में डॉक्टरों ने शिशु में एक्यूट रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम (ARDS) और न्यूमोथोरैक्स (फेफड़ों के आसपास हवा भरना) की गंभीर स्थिति पाई। इसके बाद हाई-फ्रीक्वेंसी ऑस्सिलेटरी वेंटिलेशन (HFOV) और इनहेल्ड नाइट्रिक ऑक्साइड जैसे उन्नत उपचार दिए गए, लेकिन अपेक्षित सुधार नहीं हुआ।

कोलकाता मशीन टूल्स शो 8 से 11 मई तक, पूर्वी भारत में मैन्युफैक्चरिंग को मिलेगी नई दिशा

कोलकाता: 8 से 11 मई तक बिस्वा बांग्ला मेला प्रांगण, कोलकाता में आयोजित होने जा रहा कोलकाता मशीन टूल्स शो 2026 पूर्वी भारत तथा आसपास के क्षेत्रों में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को नई गति देने वाला एक महत्वपूर्ण मंच बनने जा रहा है। इसमें आधुनिक टेक्नोलोजी का प्रदर्शन होगा तथा औद्योगिक सहयोग को बढावा मिलेगा। इस प्रदर्शनी का आयोजन के. एन्ड डी. कोम्युनिकेशन लिमिटेड (KDCL) द्वारा किया जा रहा है, जो B2B इंडस्ट्रियल एग्जीबिशन के क्षेत्र में एक जाना-माना नाम है। इस इवेंट में देशभर के मैन्युफैक्चरर्स, टेक्नोलॉजी प्रोवाइडर्स, इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स और निर्णय लेने वाले प्रमुख लोग एक ही छत के नीचे एकत्र होंगे। तेजी से उभरते पूर्वी भारत के औद्योगिक विकास को ध्यान में रखते हुए, KMTS 2026 व्यवसायों को नए अवसरों से जोड़ने का काम करेगा। कोलकाता मशीन टूल्स शो 2026 में आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग में महत्वपूर्ण कई नए इन्जिनियरींग सोल्यूशन्स और मशीन टूल्स का प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें मशीन टूल कटिंग और फॉर्मिंग, प्रिसीजन टूल्स, रोबोटिक्स और ऑटोमेशन, इलेक्ट्रिकल सिस्टम्स, हाइड्रोलिक्स, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, इंडस्ट्रियल लुब्रिकेंट्स और टेस्टिंग उपकरण में हुए इनोवेशन्स शामिल होंगे। इसके अलावा, मटेरियल हैंडलिंग, सरफेस फिनिशिंग, ट्यूब और पाइप टेक्नोलॉजी, इंडस्ट्रियल सेफ्टी और थ्रुष्ठ-थ्रुरू सॉफ्टवेयर जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों को भी प्रदर्शित किया जाएगा जो हाल में विकसित हो रही स्मार्ट मेन्युफेक्चरिंग का हिस्सा हैं। यह इवेंट नई तकनीकों और उत्पादों को लॉन्च करने के लिए भी एक बेहतरीन मंच होगा जहां इसके सही खरीददार मौजूद होंगे।

मोटोरोला ने लॉन्च किया मोटोरोला एज 70 प्रो

बिलासपुर। मोबाइल टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में वैश्विक अग्रणी और भारत के प्रमुख एआई स्मार्टफोन ब्रांड, मोटोरोला ने आज मोटोरोला एज 70 प्रो लॉन्च किया, जिसे उन्नत लो-लाइट फोटोग्राफी, शानदर विजुअल्स और अगली पीढ़ी के ऑन-डिवाइस एआई के माध्यम से उपयोगकर्ताओं को सीज़ द नाइट में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस डिवाइस में motoAI के साथ एडवांस्ड सोनी-LYTIA™ 710 कैमरा द्वारा संचालित ट्रिपल 50MP प्रो-ग्रेड कैमरा सिस्टम है, जो शानदार नाइट फोटोग्राफी, लो-लाइट क्लैरिटी, ब्लर-फ्री शॉट्स, पैंटोनइ वैलिडेटेड ट्रू कलर्स और स्किनटोन™ सटीकता के साथ सभी कैमरों पर 4K 60FPS वीडियो प्रदान करता है। मीडियाटेक डाइमेंसिटी 8500 एक्सट्रीम द्वारा संचालित, यह उन्नत ऑन-डिवाइस एआई प्रोसेसिंग के साथ लो- लाइट इमेजिंग को और बेहतर बनाता है। मोटोरोला एज 70 प्रो में मोटोरोला द्वारा बिल्कुल नया कलेक्शंस डिज़ाइन भी पेश किया गया है, जिसमें पैंटोन™ क्यूरेटेड रंगों में शानदार सैटिन-लक्स, टेलर्ड फैब्रिक और मार्बल फिनिश शामिल हैं, जिसे 144H5 तक के 1.5K ट्रू कलर™ क्वाड-कर्व्ड पैंटोन™ वैलिडेटेड एक्सट्रीम एमोलेड डिस्प्ले के साथ जोड़ा गया है। 90W टर्बोपावरइ चार्जिंग और IP68 + IP69 ड्यूरेबिलिटी के साथ विशाल 6500mAh सिलिकॉन-कार्बन बैटरी द्वारा समर्थित, यह डिवाइस एक वास्तविक फ्लैगशिप-ग्रेड स्मार्टफोन अनुभव प्रदान करता है।

संपादकीय

आम सहमति की परवाह नहीं है.....

अब नियम तय करने के मामले में भी मजबूत देश आम सहमति की परवाह नहीं कर रहे हैं। जो सहमत नहीं हैं, उनको छोड़कर आगे बढ़ने का नजरिया उन्होंने अपनाया है। डब्लूटीओ के ढांचे और उसकी भावना पर यह घातक प्रहार है। विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) की 14वीं मंत्रिस्तरीय बैठक में सीमा पार डिजिटल ट्रांसमिशन पर टैक्स लगाने पर रोक को जारी रखने के लिए अमेरिका ने अपना पूरा दम लगाया। लेकिन कुछ देशों के विरोध के कारण वह सफल नहीं हुआ। तो अब उसने एलान किया है कि वह उससे सहमत देशों के साथ अलग से समझौता करेगा। ऐसे करार में शामिल होने के लिए उसने अपने व्यापार सहयोगी देशों से आगे आने को कहा है। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीयर ने कहा- 'सामान्य समझ से प्रेरित इस समझौते पर डब्लूटीओ सहमत नहीं हो सकता, तो अमेरिका उसके बाहर उन देशों के साथ ऐसा करार करेगा, जिनकी इसमें दिलचस्पी है।' अमेरिका के मन-माफिक समझौते को मोटे तौर पर ब्राजील और तुर्किये ने रोका। उधर भारत ने चीन की 'विकास के लिए निवेश सुविधा करार' (आईएफडी) संपन्न करने की कोशिश नाकाम कर दी। पिछले हफ्ते हुई 14वीं मंत्रिस्तरीय बैठक में 166 में से 129 देशों ने चीन के प्रस्ताव का समर्थन किया। अब संकेत हैं कि चीन उन देशों के साथ लेकर इस समझौते पर आगे बढ़ेगा। ये दोनों घटनाएं डब्लूटीओ की लगातार बढ़ रही अप्रासंगिकता को जाहिर करती हैं। डब्लूटीओ की स्थापना के पीछे सोच अधिकतम सहमति से विश्व व्यापार के नियमों को तय करना और तय नियमों पर सख्ती से अमल की गारंटी करना थी। समझौतों पर अमल सुनिश्चित कराने के लिए डब्लूटीओ के अंदर अपनी न्यायिक प्रणाली बनाई गई। मगर डॉनल्ड ट्रंप ने बतौर राष्ट्रपति अपने पहले कार्यकाल में डब्लूटीओ में न्यायाधीशों की नियुक्ति रोक कर अदालती प्रक्रिया को ठप करने की शुरुआत कर दी। उनके बाद आया जो बाइडेन प्रशासन भी उसी रास्ते पर आगे बढ़ा। जजों के अभाव में डब्लूटीओ का यह अंग फिलहाल लकवाग्रस्त पड़ा हुआ है। इसी कारण विभिन्न देश द्विपक्षीय व्यापार समझौतों का सहारा लेने पर मजबूर हुए हैं। इस बीच अब नियम तय करने के मामले में भी मजबूत देश आम सहमति बनाने की परवाह नहीं कर रहे हैं। जो सहमत नहीं हैं, उनको छोड़कर आगे बढ़ने का नजरिया उन्होंने अपनाया है। डब्लूटीओ के ढांचे और उसकी भावना पर यह घातक प्रहार है।

रेल पटरियों का आधुनिकीकरण

अश्विनी वैष्णव

लेखक, भारत सरकार के रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री हैं

भारत में हर दिन 25,000 से अधिक ट्रेनें चलती हैं। वे प्रतिदिन 2 करोड़ से अधिक यात्रियों को ले जाती हैं और कोयला, लौह अयस्क, अनाज, स्टील, सीमेंट तथा अन्य वस्तुओं की बड़ी मात्रा को 1,37,000 किलोमीटर से अधिक लंबे रेल नेटवर्क पर एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाती हैं। पूरी व्यवस्था जिस आधार पर काम करती है, वह रेल पटरी है। जब पटरी अच्छी स्थिति में होती है, तब ट्रेनें सुरक्षित रूप से अधिक गति से चलती हैं। लेकिन जब पटरी खराब होती है, तो इसके परिणाम गति पर रोक, देरी और सुरक्षा संबंधी जोखिम के रूप में सामने आते हैं। रेल की पटरी में दरार, कोई ढीला पुर्जा या गिट्टी की परत में रुकावट, इनमें से कोई भी चीज ट्रेन की चाल को प्रभावित कर सकती है। रेल पटरियों के महत्व को ध्यान में रखते हुए, भारतीय रेलवे ने एक दशक से अधिक समय पहले व्यापक आधुनिकीकरण कार्यक्रम शुरू किया। इस कार्य में आधुनिक मशीनों से पटरियों का नवीनीकरण, उन्नत तरीकों से जांच और निरीक्षण, मशीनीकृत रखरखाव, सुरक्षा बाड़बंदी आदि शामिल थे। इन सभी प्रयासों ने मिलकर रेल नेटवर्क की स्थिति को स्पष्ट रूप से बदल दिया है। 2014 से अब तक लगभग 55,000 किलोमीटर पटरियों का नवीनीकरण किया गया है, जिससे सुरक्षा और यात्रा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है तथा बार-बार मरम्मत की आवश्यकता कम हुई है। लगभग 44,000 ट्रैक किलोमीटर में 260 मीटर लंबे रेल पैनल बिछाए गए हैं। लंबे पैनलों का अर्थ है कम जोड़, जिससे ट्रेनों की आवाजाही अधिक सुगम और सुरक्षित होती है। अब 80,000 ट्रैक किलोमीटर से अधिक हिस्से में मजबूत

60 किलोग्राम वाली रेल पटरियों का उपयोग हो रहा है, जो अधिक भार और तेज गति का समर्थन करती हैं। मजबूत रेल पटरी बिछाना जरूरी है, लेकिन समय रहते खराबी पकड़ना भी उतना ही जरूरी है। छिपी हुई दरारों को खोजने के लिए अल्ट्रासोनिक जांच की गई है। इसके तहत करीब 36.2 लाख ट्रैक किलोमीटर और 2.25 करोड़ वेल्ड की जांच हुई। इससे रेल और वेल्ड टूटने की घटनाएं करीब 90 प्रतिशत तक कम हो गई हैं। यानी अब खराबी होने के बाद उसे ठीक करने के बजाय पहले ही पकड़कर रोक लिया जाता है। अब रेलवे में दूसरी आधुनिक जांच तकनीकें भी इस्तेमाल हो रही हैं। नई वेल्ड की जांच के लिए चुंबकीय जांच, फ्लैश-बट वेल्ड की जांच के लिए नई मशीनें और जीपीएस से जुड़ी ऐसी व्यवस्था लगाई गई है, जो ट्रेन की यात्रा की गुणवत्ता मापती है और पटरी के खराब हिस्से की सही जगह बता देती है।भारतीय रेलवे की ट्रैक मशीनों की संख्या 2014 में 748 थी, जो 2026 में बढ़कर 1,785 हो गई है। ये मशीनें पटरी को ठीक करने, गिट्टी साफ करने और रेल को घिसकर बराबर करने का काम हाथ से होने वाले काम की तुलना में ज्यादा तेज, बेहतर और एक समान तरीके से करती हैं। पटरी के नीचे बिछी गिट्टी की परत को साफ करने में मशीनों ने बड़ा फर्क पैदा किया है। यही गिट्टी पानी निकालने, कंपन कम करने और पटरी को मजबूत बनाए रखने का काम करती है। लेकिन समय के साथ ट्रेनों के लगातार वजन और कंपन से ये पत्थर टूटकर पाउडर जैसे हो जाते हैं। इससे गिट्टी की परत जाम हो जाती है और वह ठीक से काम नहीं कर पाती। इसलिए गिट्टी की सफाई की जाती है, ताकि पटरी फिर से सही हालत में आ जाए। यह काम एक लाख किलोमीटर से ज्यादा रेल पटरियों पर किया जा चुका है और ज्यादातर काम मशीनों से हुआ है। इसी तरह पटरी की ऊपरी सतह की खराबी दूर करने के लिए भी एक लाख किलोमीटर से ज्यादा रेल की ग्राइंडिंग की गई है। इससे ट्रेन का सफर ज्यादा आरामदायक और सुरक्षित हुआ है। हर साल ट्रेनों की संख्या बढ़ रही है, इसलिए ट्रेनों के बीच रखरखाव के लिए मिलने वाला समय कम होता जा रहा है। ऐसे में मशीनों की मदद से कम समय में ज्यादा काम हो जाता है और ट्रेन सेवाएं भी प्रभावित नहीं होतीं। लेकिन सुरक्षा सिर्फ पटरी पर नहीं, बल्कि वहां भी जरूरी है जहां ट्रेनें लाइन बदलती हैं। इसलिए भारतीय रेलवे ने पटरी बदलने के साथ कई दूसरे सुधार भी किए हैं। करीब 17,500 किलोमीटर तक सुरक्षा के लिए बाड़ लगाई गई है, खासकर उन जगहों पर जहां ट्रेनें 110 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा रफ्तार से चलती हैं। इससे लोगों और जानवरों के पटरी पर आने की घटनाएं कम होती हैं। जहां ट्रेनें एक लाइन से दूसरी लाइन पर जाती हैं, वहां 36,000 नए और मजबूत स्विच लगाए गए हैं और 7,500 खास तरह के क्रॉसिंग लगाए गए हैं। ये ज्यादा समय तक चलते हैं और ट्रेन को बिना झटके के गुजरने देते हैं। 2019 से चौड़े और भारी स्लीपर लगाए जा रहे हैं, जिससे पटरी ज्यादा मजबूत रहती है, खासकर गर्मियों में। पुलों पर भी मजबूत स्लीपर लगाए गए हैं और यार्ड के अंदर लंबी वेल्ड वाली पटरियां बिछाई गई हैं। इससे पूरा रेलवे नेटवर्क और मजबूत हुआ है। रेल पटरियों के आधुनिकीकरण का सबसे साफ असर ट्रेनों की रफ्तार बढ़ने की क्षमता के रूप में दिखाई देता है।130 किलोमीटर प्रति घंटे या उससे ज्यादा रफ्तार के लिए तैयार रेल पटरी का हिस्सा पहले सिर्फ 6 प्रतिशत था, जो अब बढ़कर करीब 23 प्रतिशत हो गया है। इसी तरह 110 किलोमीटर प्रति घंटे या उससे ज्यादा रफ्तार वाली पटरी पहले करीब 40 प्रतिशत थी, जो अब 80 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इससे सफर का समय कम हुआ है, ट्रेनें ज्यादा समय पर चल रही हैं और वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी तेज ट्रेनें चलाना आसान हुआ है। इन सुधारों का असर सुरक्षा पर भी दिखा है। 2014-15 में 135 बड़े रेल हादसे हुए थे, लेकिन 2025-26 में यह संख्या घटकर सिर्फ 16 रह गई। यानी हादसे लगभग 89 प्रतिशत कम हो गए। हर 10 लाख किलोमीटर चलने वाली ट्रेनों पर हादसों की दर भी 0.11 से घटकर 0.01 हो गई है। यह लगभग 90 प्रतिशत सुधार है। खास बात यह है कि ट्रेनों और यात्रियों की संख्या बढ़ने के बावजूद हादसे कम हुए हैं।अब रेलवे ने एक नई ऑनलाइन व्यवस्था भी शुरू की है, जिसे ट्रैक मैनेजमेंट सिस्टम(टीएमएस) कहा जाता है। इसमें पटरी की जांच, ट्रेन के सफर की गुणवत्ता और पटरी की हालत से जुड़ी सारी जानकारी एक जगह मिल जाती है। इससे रेलवे को जल्दी समझ आ जाता है कि कहां काम करने की जरूरत है और समय रहते सुधार किया जा सकता है। बारह साल पहले भारत की 60 प्रतिशत रेल पटरियां 110 किलोमीटर प्रति घंटे से कम रफ्तार तक ही सीमित थीं। रेल पटरी टूटने की घटनाएं आम थीं और ज्यादातर रखरखाव हाथ से किया जाता था। आज स्थिति बदल चुकी है। अब करीब 80 प्रतिशत रेल नेटवर्क 110 किलोमीटर प्रति घंटे या उससे ज्यादा रफ्तार संभाल सकता है। रेल और वेल्ड टूटने की घटनाएं 90 प्रतिशत तक कम हो गई हैं और करीब 1,800 ट्रैक मशीनें काम कर रही हैं। लाखों यात्रियों और रेल माल ढुलाई पर निर्भर कारोबारों के लिए इन बदलावों का बड़ा असर पड़ा है। अब सफर ज्यादा आरामदायक हुआ है, यात्रा का समय कम हुआ है और रेलवे नेटवर्क पहले से ज्यादा भरोसेमंद बना है। काम अभी पूरा नहीं हुआ है, लेकिन अब तक हुई प्रगति यह दिखाती है कि लगातार मेहनत और निवेश से कितना बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

आलेख

आत्मनिर्भर भारत का पूरा गेम चीन के हाथ

हरिशंकर व्यास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 साल पहले ओडिशा के पारादीप में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की रिफाइनरी के उद्घाटन के समय कहा था कि भारत 2022 तक तेल आयात को 10 फीसदी कम करेगा। ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेगा। लेकिन 10 साल के बाद भारत का तेल आयात कम से कम पांच फीसदी बढ़ गया है और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के जरिए जो आत्मनिर्भरता की बात हो रही थी उसमें भी भारत चीन के ऊपर निर्भर हो गया है। चाहे इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बैटरी हो या सोलर प्लेट्स हों इन सबके लिए चीन पर निर्भरता है। सोलर प्लेट्स भारत बनाने भी लगे तब भी उसके लिए जरूरी कच्चे माल की आपूर्ति चीन से ही होती है। चांदी भी उसी में से एक उत्पाद है। सो, आत्मनिर्भर भारत का पूरा गेम चीन के हाथ में है। यानी अगर भारत ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर होने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत विकसित करना चाहेगा तो उसका लाभ भी चीन को मिलेगा। जैसे आत्मनिर्भर होने के लिए चीन पर निर्भरता अनिवार्य है वैसे ही अभी गैस का जो संकट बढ़ा है उससे निपटने के लिए भी चीन की ही जरुरत है। भारत में गैस की किल्लत हुई है तो लोग बिजली से चलने वाले इंडक्शन चुल्हा खरीद रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक पहले भारत में एक महीने में एक लाख 80 हजार इंडक्शन कुक टॉप बिकता था और अब एक दिन में एक लाख बिक रहा है। इसकी बिक्री बढ़ने का मतलब है चीन की चांदी होना। ऐसा इसलिए है क्योंकि भारत का 85 से 90 फीसदी इंडक्शन चुल्हा चीन से आयात होता है। इसके बाद पांच फीसदी आयात वियतनाम से होता है। असल में चीन भारी मात्रा में इस तरह के इलेक्ट्रिक उपकरण बनाता है। उसके यहां इसके पार्ट्स सस्ते मिलते हैं और गांव गांव में कंपनियां खुली हुई हैं। भारत में भी कुछ कंपनियां इंडक्शन चुल्हे सहित कई इलेक्ट्रिक उपकरण बनाती हैं। इनमें बजाज इलेक्ट्रिक, टीटीके प्रेस्टिज, हैवेल आदि। लेकिन ये कंपनियां भी सीधे इंडक्शन चुल्हे का आयात चीन से कर लेती हैं या चीन से कल पुर्जे मंगा कर भारत में उनको असेम्बल करती हैं। यानी वे अपना उत्पाद नहीं बनाती हैं। चीन से आयात करके उस पर अपना लेबल लगा कर बेचती हैं। भारत दुनिया में सबसे ज्यादा इंडक्शन कुक टॉप आयात करने वाला देश है। गैस संकट के समय जब लोग इसकी तरफ शिफ्ट हो रहे हैं तो उसका भी फायदा चीन को हो रहा है। अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को साकार करने के लिए नाले से गैस बनाने का प्रोजेक्ट चालू हो या बायोगैस प्लांट्स लगाए जाएं तो उसके लिए भी जो जरूरी मशीनरी और उपकरण हैं उनका आयात ही करना होगा। बायोगैस प्लांट के लिए जरूरी उपकरणों में से 60 फीसदी आयात जर्मनी से होता है। चाहे इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बैटरी हो या सोलर प्लेट्स हों इन सबके लिए चीन पर निर्भरता है। सोलर प्लेट्स भारत बनाने भी लगे तब भी उसके लिए जरूरी कच्चे माल की आपूर्ति चीन से ही होती है। चांदी भी उसी में से एक उत्पाद है। सो, आत्मनिर्भर भारत का पूरा गेम चीन के हाथ में है। यानी अगर भारत ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर होने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत विकसित करना चाहेगा तो उसका लाभ भी चीन को मिलेगा। जैसे आत्मनिर्भर होने के लिए चीन पर निर्भरता अनिवार्य है वैसे ही अभी गैस का जो संकट बढ़ा है उससे निपटने के लिए भी चीन की ही जरुरत है। भारत में गैस की किल्लत हुई है तो लोग बिजली से चलने वाले इंडक्शन चुल्हा खरीद रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक पहले भारत में एक महीने में एक लाख 80 हजार इंडक्शन कुक टॉप बिकता था और अब एक दिन में एक लाख बिक रहा है। इसकी बिक्री बढ़ने का मतलब है चीन की चांदी होना। ऐसा इसलिए है क्योंकि भारत का 85 से 90 फीसदी इंडक्शन चुल्हा चीन से आयात होता है। इसके बाद पांच फीसदी आयात वियतनाम से होता है। उसके बाद करीब 25 फीसदी आयात इजराइल से और 15 फीसदी के करीब चीन से आयात होता है। सो, हर हाल में आत्मनिर्भर भारत को दूसरे देशों पर ही निर्भर रहना होगा।

कृत्रिम शब्दों के बीच असली साहित्य की तलाश

■ कहीं हम एआई का लिखा तो नहीं पढ़ रहे

डॉ. सुनील जैन 'संचय', ललितपुर

समय ने लेखनी के सामने एक नया प्रश्न खड़ा कर दिया है। कभी लेखक के हाथ में केवल कागज़, कलम और कल्पना होती थी; आज उसके सामने स्क्रीन है, एल्गोरिद्म है, और कुछ क्षणों में तैयार हो जाने वाला शब्द-संसार है। मशीनें अब वाक्य गढ़ रही हैं, कथानक रच रही हैं, कविताएँ बना रही हैं और शोधपत्रों का प्रारूप तैयार कर रही हैं। ऐसे में स्वाभाविक है कि समाज पूछे—जो पुस्तक हमारे हाथ में है, क्या वह मनुष्य की आत्मा से निकली है या किसी मशीन की गणना से? यह प्रश्न केवल तकनीक का नहीं, सृजन के स्वभाव का है। शब्द लिख देना और साहित्य रच देना, दोनों अलग अवस्थाएँ हैं। भाषा का ढाँचा बनाना सरल है, पर अनुभव की अग्नि से उसे तपाना कठिन। मशीन शब्दों को क्रम देती है, मनुष्य उन्हें अर्थ देता है। कृत्रिम बुद्धि वाक्य बना सकती है, पर पीड़ा की वह कंपन कहाँ से लाएगी जो किसी माँ की प्रतीक्षा में होती है? वह प्रेम की वह नमी कहाँ से पाएगी जो किसी बिछुड़े मित्र के पत्र में उतरती है? आज अनेक लेखक सुविधा के कारण तकनीक का सहारा ले रहे हैं। कोई प्रारूप बनवाता है, कोई शीर्षक गढ़वाता है, कोई शैली सुधारता है, तो कोई पूरा लेख तैयार करवा लेता है। सुविधा में दोष नहीं, पर संकट तब आरंभ होता है जब साधन स्वयं साध्य बन जाए। यदि लेखक सोचने की श्रमसाध्य प्रक्रिया छोड़ दे, यदि वह अनुभूति के स्थान पर त्वरित उत्तरों पर निर्भर हो जाए, तब साहित्य का रक्तचाप धीमा पड़ने लगता है।

रचना केवल जानकारी का संग्रह नहीं होती। वह मनुष्य के भीतर घटित घटनाओं का दस्तावेज़ होती है। जब कोई कवि लिखता है, तो उसके शब्दों में उसके समय की धूल, संघर्ष का ताप, हार की करुणा और आशा की रोशनी साथ चलती है। मशीन के पास स्मृति है, पर स्मरण नहीं; डेटा है, पर जीवन नहीं; भाषा है, पर मौन का अर्थ नहीं।

यह भी सत्य है कि तकनीक शत्रु नहीं है। हर युग ने अपने उपकरण बनाए हैं। छापाखाना आया तो लोगों ने कहा था कि हस्तलिखित ग्रंथों का युग समाप्त हो जाएगा। टाइपराइटर आया, कंप्यूटर आया, इंटरनेट आया—और हर बार मनुष्य ने साधन को अपनाकर उसे उपयोगी बनाया। कृत्रिम बुद्धि भी वैसी ही शक्ति है, यदि वह लेखक की सहयोगी बने, स्वामिनी नहीं। वह शोध में सहायक हो सकती है, तथ्य जुटा सकती है, भाषा सँवार सकती है, पर अंत:करण की जगह नहीं ले सकती।

सबसे बड़ा खतरा वहाँ है जहाँ पाठक और प्रकाशक केवल परिणाम देखते हैं, प्रक्रिया नहीं। चमकदार भाषा देखकर लोग मुग्ध हो सकते हैं, पर भाषा की चमक और विचार की गहराई एक नहीं होती। बाज़ार को त्वरित सामग्री चाहिए; साहित्य को धैर्यवान सृजन। बाज़ार गति से चलता है, कला गहराई से। जब गति ही मूल्य बन जाए, तब गंभीरता उपेक्षित हो जाती है।

युवा लेखकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वे सुविधा और साधना के बीच संतुलन बनाएँ। तकनीक का प्रयोग करें, पर अपनी दृष्टि को किराए पर न दें। भाषा उधार ली जा सकती है, पर संवेदना नहीं। शैली सिखाई जा सकती है, पर सत्यनिष्ठा नहीं। शब्दों की सजावट मिल सकती है, पर आत्मा की आहट भीतर से ही आती है।

हमें यह भी समझना होगा कि भविष्य का साहित्य संभवत: मिश्रित होगा—मनुष्य और मशीन का संयुक्त युग। प्रारूप मशीन दे सकती है, पर प्राण मनुष्य ही देगा। विचार का बीज मनुष्य बोएगा, तकनीक उसे आकार दे सकती है। जैसे वाद्य स्वयं संगीत नहीं बनता, वैसे ही एल्गोरिद्म स्वयं साहित्य नहीं बनता; उसे स्पर्श करने वाला कलाकार चाहिए।

अंतत: प्रश्न यह नहीं कि पुस्तक किसने लिखी, बल्कि यह है कि उसमें धड़कन किसकी है। यदि शब्दों में करुणा है, दृष्टि है, संघर्ष है, आत्मस्वर है, तो वे जीवित रहेंगे। यदि वे केवल संयोजन हैं, तो क्षणिक चमत्कार बनकर रह जाएँगे।

स्याही की धीमी गंध अभी समाप्त नहीं हुई है। स्क्रीन की उजली रोशनी के बीच भी मनुष्य का हृदय अपनी भाषा खोज लेता है। मशीनें पंक्तियाँ लिख सकती हैं, पर इतिहास अब भी उन्हीं को याद रखता है जिनकी रचनाओं में मनुष्य साँस लेता है।

बस्तर के लिए खुले वैश्विक द्वार; 4 घंटे में पूरा होगा समंदर तक का सफर

प्रदीप कुमार लाल

बस्तर की प्रगति को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर (एनएच-130 सीडी) एक क्रांतिकारी कदम साबित होने जा रहा है। भारतमाला परियोजना के तहत बन रहा यह 6-लेन ग्रीनफील्ड कॉरिडोर न केवल दूरियों को कम करेगा, बल्कि बस्तर के स्थानीय उत्पादों को सीधे अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों तक पहुँच प्रदान कर लैंड-लॉक्ड क्षेत्र की बाधाओं को समाप्त करेगा।

दुर्गम घाटों से मुक्ति और समय की बड़ी बचत

वर्तमान में जगदलपुर से विशाखापट्टनम की यात्रा ओडिशा के कोरापुट और जयपुर के कठिन घाटों से होकर गुजरती है, जिसमें 7 से 9 घंटे का समय लगता है। भारी वाहनों के लिए यह मार्ग न केवल थकाऊ है, बल्कि डीजल की खपत और मेंटेनेंस के लिहाज से भी खर्चीला है। नया कॉरिडोर इस यात्रा को मात्र 3.5 से 4 घंटे में समेट देगा। सीधा और घाट-मुक्त रास्ता होने के कारण वाहनों का परिचालन खर्च काफी कम हो जाएगा, जिससे परिवहन क्षेत्र को बड़ी राहत मिलेगी।

नबरंगपुर इंटरचेंज बस्तर का प्रवेश द्वार

रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर (एनएच-130 सीडी) छत्तीसगढ़ के रायपुर, धमतरी, कांकेर और कोंडागांव जिलों से गुजर रहा है। जगदलपुर मुख्यालय को इस कॉरिडोर से जोड़ने के लिए ओडिशा के नबरंगपुर का दासपुर इंटरचेंज महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगा। जगदलपुर का ट्रैफिक मात्र 50-60 किमी का सफर तय कर नबरंगपुर इंटरचेंज के माध्यम से रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर में शामिल हो सकेगा, जिससे बस्तर सीधे विशाखापट्टनम पोर्ट और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक नेटवर्क से जुड़ जाएगा।

बस्तरिया ब्रांड का अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रवेश

इस कॉरिडोर का सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव बस्तर की स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। अब बस्तर की अरेबिका कॉफी, जैविक इमली, महुआ उत्पाद और प्रसिद्ध ढोकरा शिल्प को विशाखापट्टनम पोर्ट तक पहुँचाना सुगम होगा। कम लॉजिस्टिक लागत के कारण ये उत्पाद वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी दरों पर उपलब्ध होंगे, जिससे स्थानीय किसानों, संग्रहकर्ताओं और शिल्पकारों को उनकी उपज का बेहतर अंतरराष्ट्रीय मूल्य मिल सकेगा।

सामाजिक और आर्थिक उत्थान

बस्तर, कांकेर और कोंडागांव जैसे आकांक्षी जिलों को इस परियोजना से सीधा लाभ मिलेगा। बेहतर सड़क संपर्क से शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाएं इन सुदूर क्षेत्रों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेंगी। इस राजमार्ग के माध्यम से बस्तर का कृषि उत्पाद और इस्पात सीधे रायपुर, दुर्ग-भिलाई और विशाखापट्टनम जैसे औद्योगिक केंद्रों से जुड़ जाएगा। इससे स्थानीय युवाओं के लिए तकनीकी, प्रबंधन, लॉजिस्टिक्स, रियल एस्टेट और सर्विस सेक्टर में हजारों नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। यह कॉरिडोर बस्तर में औद्योगिक विकास की एक नई लहर लाने के लिए तैयार है। बस्तर क्षेत्र लौह अयस्क और अन्य खनिजों से समृद्ध है। यह कॉरिडोर इन खनिजों को विशाखापत्तनम पोर्ट तक तेजी से पहुंचाने में मदद करेगा, जिससे निर्यात और व्यापार में भारी उछाल आएगा। कॉरिडोर के किनारे नए औद्योगिक क्लस्टर विकसित होने की संभावना है, जिससे स्थानीय स्तर पर विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा।

पर्यटन और सांस्कृतिक पहचान का विस्तार

कनेक्टिविटी में सुधार होने से अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की आमद बढ़ेगी। विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा, दंतेश्वरी मंदिर, ढोलकल गणेश, कुतुमसर गुफा और चित्रकोट-तीरथगढ़ जैसे जलप्रपातों तक पहुंच आसान होगी। इससे न केवल पर्यटन राजस्व बढ़ेगा, बल्कि आदिम संस्कृति और लोक कलाओं को भी वैश्विक मंच पर नई पहचान मिलेगी।

पर्यावरण और इंजीनियरिंग का तालमेल

कांकेर जिले के बासनवाही के मंझिनगढ़ पहाड़ी (केशकाल) को चीरकर 2.79 किमी लंबी छत्तीसगढ़ की पहली ट्विन-ट्यूब टनल बनाई जा रही है। यह टनल उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के इको-सेंसिटिव जोन से गुजरती है, जिसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि वन्यजीवों का आवागमन बाधित न हो। साथ ही पूरे राजमार्ग में मंकी कैनोपी, एनिमल अंडरपास और ओवरपास बनाए जा रहे हैं ताकि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बना रहे।

रायपुर-विशाखापत्तनम इकोनॉमिक कॉरिडोर

रायपुर-विशाखापत्तनम इकोनॉमिक कॉरिडोर (एनएच-130 सीडी) बस्तर संभाग और पूरे छत्तीसगढ़ के आर्थिक परिदृश्य को बदलने वाली एक महत्वाकांक्षी परियोजना है। लगभग 16,491 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा यह 464 किमी लंबा ग्रीनफील्ड एक्सेस कंट्रोल कॉरिडोर न केवल दूरी कम करेगा, बल्कि बस्तर जैसे जनजातीय क्षेत्रों को मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था से जोड़ने में सेतु का काम करेगा। यह कॉरिडोर बस्तर को विश्व व्यापार की मुख्यधारा से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त करेगा। यह परियोजना सही मायने में बस्तर की आत्मनिर्भरता और वैश्विक पहचान का आधार बनेगी।

लेखक क्षेत्रीय अधिकारीभारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर हैं

पृथ्वी दिवस पर मनोहर गौशाला का संदेश, 12 साल से तालाब-जंगल बनाकर धरती संरक्षण की मिसाल

गौसेवा, प्राकृतिक खेती और पर्यावरण संतुलन को जोड़ा; फसल अमृत और ऑर्गेनिक गोल्ड से किसानों को नया रास्ता

खैरागढ़ (विश्व परिवार)। विश्व पृथ्वी दिवस पर खैरागढ़ की मनोहर गौशाला ने पर्यावरण संरक्षण का मजबूत संदेश दिया। गौशाला पिछले 12 वर्षों से तालाब और जंगल निर्माण कर धरती को बचाने की अनूठी पहल कर रही है। यहां गौसेवा के साथ प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण और जैविक उत्पादों के जरिए किसानों को आत्मनिर्भर बनाने का काम भी हो रहा है। गौशाला का कहना है कि धरती को बचाना केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली जिम्मेदारी है।

मनोहर गौशाला ने पर्यावरण संरक्षण को अपनी कार्यशैली का हिस्सा बनाया है। यहां पिछले एक दशक से अधिक समय में तालाब निर्माण और हरित क्षेत्र विकसित कर प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने का प्रयास किया गया है। गौशाला में तैयार किए गए फसल अमृत और मनोहर ऑर्गेनिक गोल्ड जैसे उत्पाद खेती को रसायन मुक्त बनाने में मदद कर रहे हैं। संस्था का फोकस सिर्फ गौसेवा तक सीमित नहीं है, बल्कि जल बचाने, पेड़ लगाने और किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित करना भी है। गौशाला के सदस्य इसे सेवा नहीं, बल्कि धरती के प्रति कर्तव्य मानते हैं।

धरती और किसान दोनों को फायदा

मनोहर गौशाला की पहल से आसपास के क्षेत्रों में खेती का तरीका बदल रहा है। किसान धीरे-धीरे रासायनिक खाद छोड़कर जैविक विकल्प अपना रहे हैं। तालाब और हरित क्षेत्र से जल स्तर में सुधार और तापमान संतुलन में भी मदद मिल रही है। इससे खेती की लागत घट रही है और मिट्टी की गुणवत्ता बेहतर हो रही है। यह मॉडल ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एक व्यवहारिक उदाहरण बन रहा है।

आप भी ऐसे जुड़ सकते हैं अभियान से

पृथ्वी दिवस पर गौशाला ने लोगों से छोटे-छोटे कदम उठाने की अपील की है। हर व्यक्ति साल में कम से कम एक पेड़ लगाए, पानी बचाए और जैविक उत्पादों को अपनाए। घरों में किचन वेस्ट से खाद बनाना भी एक आसान शुरुआत हो सकती है। गौ आधारित जीवनशैली और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित पर्यावरण बनाया।

जोग निरोध अघाति घाति लहिभगवान अभिनन्दन नाथ के जयकारों से गूंज उठे जिनालय

जयपुर (विश्व परिवार)। जैन धर्म के चौथे तीर्थंकर भगवान अभिनन्दन नाथ का गर्भ कल्याणक व मोक्ष कल्याणक दिवस बुधवार, 22 अप्रैल को भक्ति भाव से मनाया गया। इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किये गये । मोक्ष का प्रतीक निर्वाण लाडू चढाया गया ।अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार इस मौके पर मंदिरों में प्रात:

भगवान अभिनन्दननाथ केअभिषेक, शांतिधारा के बाद पूजा अर्चना की गई । पूजा के दौरान गर्भ कल्याणक श्लोंक का उच्चारण करते हुए अर्घ्य चढाया गया। तत्पश्चात निर्वाण काण्ड भाषा का वाचन कर मोक्ष कल्याणक श्लोक जोगनिरोध अघातिघाति लहि,गिरिसमेदतै मोख ।

मासस कल सुखराश कहे,वैशाखशुकल छठ चोख। चतुरनिकाय आत तित कीनो,भगतभाव उमगाय। हम पूजै इत अरघ लेय जिमि,विघनसघन मिट जाय।। '' का उच्चारण कर मंत्रोच्चार के साथ निर्वाण लाडू व अर्घ्य चढाया गया । भगवान अभिनन्दननाथ की महाआरती के बाद समापन हुआ ।

श्री जैन के मुताबिक शांतिनाथ जी की खोह स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र में मोक्ष का प्रतीक निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। तत्पश्चात महाआरती में श्रद्धालु झूम उठे। इस मौके पर समाजसेवी विनोद जैन कोटखावदा,कमल वैद, राजेश वैद, संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो की संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन कोटखावदा, मंजू वैद, श्रेय वैद सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।श्री जैन ने बताया कि आगरा रोड पर श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी, नारायण सिंह सर्किल स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर नसिया भट्टारक जी, मोती सिंह भोमियो का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर चौबीस महाराज, सांगानेर के संघीजी दिगम्बर जैन मंदिर, जनकपुरी के श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, एस एफ एस के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, तारों की कूट पर सूर्य नगर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, शक्तिनगर के श्री चन्द्र प्रभू पल्लीवाल दिगम्बर जैन मंदिर, दुर्गापुरा के श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्र प्रभजी, मानसरोवर के वरुण पथ स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर सहित अन्य मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन हुए। अभादिजैन परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि शुक्रवार, 24 अप्रैल को जैन धर्म के पन्द्रहवें तीर्थंकर भगवान धर्म नाथ का गर्भ कल्याणक महोत्सव तथा रविवार, 26 अप्रैल को जैन धर्म के चौबीसवें तथा अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का ज्ञान कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा।

28 वां गुरु उपकार दिवस: आज शाहपुरा जैन मंदिर में नवनिर्मित छात्रावास का लोकार्पण

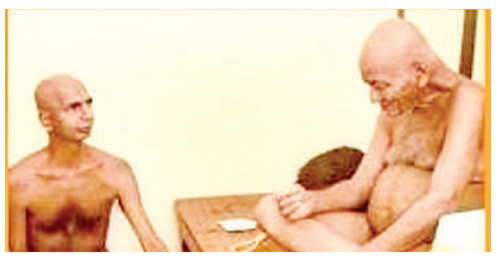

भोपाल (विश्व परिवार)। आचार्य श्री विद्या सागर महाराज आचार्य समय सागर महाराज के शिष्य निर्यापक मुनि श्री संभव सागर महाराज का 28 वा दीक्षा दिवस उपकार दिवस के रूप में आज 23 अप्रैल को मनाया जाएगा,दुआयोजन श्री पार्श्वनाथ जिनालय शाहपुरा में होगा, साथ ही नवनिर्मित छात्राद्यवास का लोकार्पण भी होगा, प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया प्रात: 6.45 बजे मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ का अभिषेक पूजा अर्चना के साथ विधि विधान से अनुष्ठान शुरू होगे, शाहपुरा मंदिर समिति के अध्यक्ष दीप जैन सचिव अमित मोदी उपाध्यक्ष चक्रेश शास्त्री सह सचिव संजय जैन कोषाध्यक्ष मनोज जैन कार्यकारणी सदस्य सुबोधजैन मुकेश जैन पुष्पेंद्र जैन होशांग बजाज अन्य पदाधिकारियों ने सभी से शामिल होने का निवेदन किया हे, प्रवक्ता अंशुल जैन

महिला संशोधन बिल पर भाजपा की प्रेस कॉन्फ्रेंस, नेताओं ने बताया ऐतिहासिक कदम

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। महिला संशोधन बिल के संबंध में भारतीय जनता पार्टी द्वारा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। वक्ताओं ने बिल को महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक पहल बताया।प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए हस्तशिल्प बोर्ड की अध्यक्ष एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष महिला मोर्चा छत्तीसगढ़ शालिनी राजपूत ने कहा कि यह बिल महिलाओं को राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में सशक्त बनाने का कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि इससे महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी और उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में अधिक अवसर मिलेंगे।

जिला प्रभारी अमित साहू ने कहा कि केंद्र सरकार महिलाओं के उत्थान

के लिए निरंतर कार्य कर रही है और यह बिल उसी दिशा में एक मजबूत कदम है। जिलाध्यक्ष आनंद यादव ने इसे देश के विकास के लिए जरूरी बताते हुए कहा कि महिलाओं को बराबरी का अधिकार देने से समाज और राष्ट्र दोनों सशक्त होंगे।

प्रदेश प्रवक्ता प्रमोद शर्मा ने बिल के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी देते हुए कहा कि यह कानून महिलाओं के अधिकारों को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा। इस अवसर पर कुर्मी समाज केंद्रीय अध्यक्ष खोड़स राम कश्यप, महिला मोर्चा अध्यक्ष सुनीता वर्मा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष प्रणम पाण्डे मणि कांत मिश्रा जिला मीडिया प्रभारी आलोक अग्रवाल तरुण वर्मा पुरुषोत्तम सोनी रितेश श्रीवास्तव नीलम सोनी भी उपस्थित रहे।प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान नेताओं ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए बिल के प्रति आम जनता से समर्थन की अपील की।

फाइनल मुकाबले में मून स्टार ने शानदार जीत के साथ ट्रॉफी अपने नाम की

रायपुर (विश्व परिवार)। मास्टर कप के रोमांचक फाइनल मुकाबले में मून स्टार टीम ने शानदार जीत हासिल कर ट्रॉफी अपने नाम की। यह फाइनल मैच टीम इंफिनिटी और मून स्टार के बीच खेला गया, जिसमें दर्शकों को जबरदस्त मुकाबला देखने को मिला।मून स्टार को अंतिम ओवर में जीत के लिए 22 रनों की आवश्यकता थी। ऐसे दबाव भरे क्षण में मोहसिन खान ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए लगातार 4 गगनचुंबी छक्के लगाए और अपनी टीम को 5 विकेट से यादगार जीत दिलाई।इस फाइनल मुकाबले में गणेश यादव को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया।जीत के बाद कप्तान अमजद खान ने टीम के सभी खिलाड़ियों को बधाई दी टीम

ऑनर उबैद खान ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि यह जीत टीम स्पिरिट, अनुशासन और ऊपर वाले की मेहरबानी का नतीजा है। उन्होंने कहा कि मून स्टार के सभी खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया और अंतत: इंफिनिटी को हराकर खिताब अपने नाम किया।

फाइनल मैच के दौरान विजेता टीम को ट्रॉफी के साथ नगद पुरस्कार भी प्रदान किया गया।

यह टूर्नामेंट जिमखाना मैदान में रात्रिकालीन आयोजन के रूप में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस सफल आयोजन का श्रेय टूर्नामेंट के सभी कमेटी मेंबर्स को जाता है, जिनमें प्रमुख रूप से काशिफ खान, बाकर अब्बास, जुबैद खान, बाबर अली, आरिश और आसिफ़ शामिल हैं।

भिलाई - चरौदा निगम को एन.एस.पी.सी.एल. से मिली सौगात

रायपुर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई-चरौदा कार्यालय के सभागार में आज आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एन.एस.पी.सी.एल. के मुख्य महाप्रबंधक श्री नील कुमार शर्मा का आगमन रहा। मौका था भिलाई-चरौदा निगम को एन.एस.पी.सी.एल. के द्वारा सी.एस.आर. मद से प्राप्त 74 लाख रूपये राशि से निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत नये उपकरण जो प्राप्त हुये उनके इनागरेशन का। यहा उल्लेखनीय है कि प्राप्त राशि से अब निगम के पास इंशिनेटर मशीन 20 नग, सेनेटरी नेपकीन मशीन 20 नग, आर. ओ. मशीन 11 नग, टिप्पर वाहन-01 नग तथा मोबाईल टायलेट 02 नग होंगे। जिनसे जनहित के कार्यों को और गति मिलेगी तथा लोगो तक सुविधा पहुंच सकेगी।आज के कार्यक्रम को संबोधित करते हुये महापौर श्री कोसरे ने कहा कि जनहित एवं लोक कल्याण के लिए निगम द्वारा भेजे गये प्रस्तावों पर सदैव ही एन.एस.पी.सी.एल. संस्था से सकारात्मक सहयोग प्राप्त होता रहा है। सम्पूर्ण कार्यकाल में एन.एस.पी.सी.एल. द्वारा ऐसे कार्य किये है जो दीर्घ काल तक जन उपयोगी सिहो।एन.एस.पी.सी.एल. के मुख्य महाप्रधंक श्री नीलकुमार शर्मा ने संबोधन में कहा कि आज के कार्यक्रम में निगम की ओर से भविष्य में एक ई-लाईब्रेरी प्रारंभ करने के संबंध में प्रस्ताव दिया गया है जिसे पूरा करने एन.एस.पी.सी. की ओर से मै पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन प्रदान करता हूँ।

जीवन में अनुशासन, संस्कार से सुख शांति होती है : आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज

रायपुर (विश्व परिवार)। श्याम नगर जयपुर के आदिनाथ मंदिर में प्रवचन में आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने मैत्री,अनुशासन ,संस्कार , जीवन शैली में बदलाव आदि बातों पर उपदेश में बताया कि सभी जीवों से मैत्री छोटा हो या बड़ा ,मनुष्य हो या तिर्यंच (पशु-पक्षी) देव हो या अन्य जीव सबके प्रति एक ही भावना:सभी सुखीरहेंमित्रता सीमित होती है (कुछ लोगों तक)उसमें शत्रुता भी हो सकती हैलेकिन मैत्री सर्वव्यापी (सबके लिए)इसमें किसी के प्रति बैर नहीं होता। घर से ही शुरू होती है साधना हम बाहर तो बड़ी-बड़ी बातें करते हैं लेकिन घर में ही झगड़े होते हैंपति-पत्नी में मतभेद परिवार में टकराव जब घर में शांति नहीं तो बाहर की बातें व्यर्थ हैं।राजेश

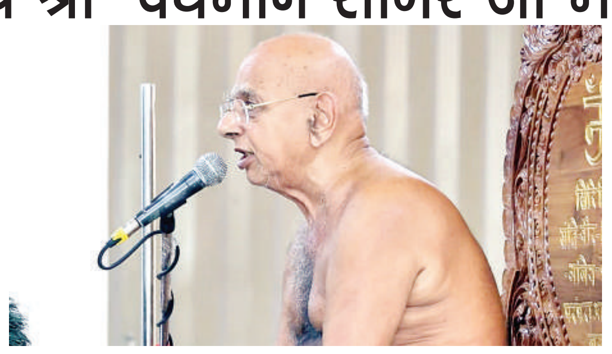

पंचोलिया सुरेश सबलावत अनुसार आचार्य श्री ने आगे बताया कि अनुशासन जीवन शास्त्र के अनुसार चलना चाहिए जब जीवन में अनुशासन होगा तब ही सुख और शांति आएगी बिना अनुशासन टकराव और अशांति निश्चित है हमारी जीवन शैली भी बदल गई है चूल्हा, गैस से श्रम कम होकर आराम होकर व्यायाम के अभाव में शरीर कमजोर (जैसे घुटनों की समस्या) हो रहा है अपने घर का वातावरण कैसा है? शांति है या तनाव? संस्कार हैं या केवल सुविधा? पहले सादगी थी ,मर्यादा थी ,आज टीवी, मोबाइल, सुविधाएँ लेकिन:इनका सही उपयोग ही लाभकारी है बच्चों को कैसे संस्कारित करें बच्चों को उपदेश से नहीं अपने आचरण से सिखाएँ खुद मोबाइल छोड़ेंगे ,बच्चे सीखेंगे , खुद संयम रखेंगे, बच्चे अपनाएँगे। भोजन करते समय ध्यान होना चाहिए तभी स्वाद और स्वास्थ्य दोनों मिलते हैं जब आपका जीवन आदर्श बनेगा लोग अपने आप प्रेरित होंगे धर्म केवल बोलने की चीज नहींजीने की चीज है मैत्री भाव अपनाओ घर से शुरुआत करो बच्चों को आचरण से सिखाओ याद रखें पहले स्वयं बनो, फिर संसार बदलेगा संघस्थ आर्यिका महायशमती माताजी ने प्रवचन में श्रावक , श्राविकाओं के कर्तव्य, आने वाली पीढ़ी के प्रति दायित्व , देव दर्शन धर्म के संस्कार आदि पर सरल भाषा में प्रभावी उपदेश में बताया कि आप सभी यहाँ अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाने के उद्देश्य से एकत्रित हुए हैं।जब से परमपूज्य आचार्य श्री का जयपुर महानगर में पदार्पण हुआ है।

सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण करने पशु पकड़ने का अभियान जारी

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई के रोका-छेका विभाग द्वारा शहर में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से आवारा पशुओं को पकड़ने का अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत टीम द्वारा सड़कों पर घूम रहे एवं बीच सड़क पर बैठे पशुओं को सुरक्षित रूप से पकड़ा जा रहा है। पकड़े गए पशुओं को कोसानाला स्थित गौठान में रखा जा रहा है, जहां उनके लिए हरे चारे, स्वच्छ पेयजल एवं आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। निगम द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि पशुओं के रखरखाव में किसी प्रकार की कमी न हो। ज्ञात हो कि सड़कों के बीच पशुओं के बैठने या घूमने से दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है, जिससे आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। निगम का यह अभियान नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए चलाया।

अरण्य भवन में विश्व पृथ्वी दिवस पर कार्यक्रम हुआ

धरती को स्वच्छ रखने और पर्यावरण सरंक्षण का लिया संकल्प

रायपुर (विश्व परिवार)। नवा रायपुर, 22 अप्रैल 2026: छत्तीसगढ़ शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग और प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के ग्राम विकास प्रभाग द्वारा संयुक्त रूप से विश्व पृथ्वी दिवस पर नवा रायपुर स्थित अरण्य भवन में परिचर्चा आयोजित की गई जिसमें वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के प्रधान मुख्य वन सरंक्षक एवं वन बल प्रमुख श्रीनिवास राव, प्रधान मुख्य वन सरंक्षक एवं मुख्य वन्यप्राणी सरंक्षक अरूण कुमार पाण्डे, ब्रह्माकुमारी सविता दीदी, रश्मि दीदी, अपर प्रधान मुख्य वन सरंक्षक (भूप्रबन्ध) सुनील कुमार मिश्रा, अपर प्रधान मुख्य वन सरंक्षक (प्रशासन) श्रीमती शालिनी रैना सहित बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया।

इस अवसर पर बोलते हुए वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के प्रधान

मुख्य वन सरंक्षक एवं वन बल प्रमुख श्रीनिवास राव ने ब्रह्माकुमारी संस्थान की सराहना करते हुए कहा कि मेडिटेशन से स्वच्छ आचरण, स्वच्छ व्यवहार और स्वच्छ पर्यावरण में मदद मिलती है। हमारी पृथ्वी जीवित लोगों के लिए जीवन्त ग्रह है। हमारे लिए यह एक ही धरती है। जीवित रहने के लिए और कोई दूसरा ग्रह नहीं है। इसलिए हमें अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। जागरूक होकर संसाधनों का सदुपयोग करना होगा। हमें पृथ्वी को बचाना है तो जंगल को बचाना होगा। प्रधान मुख्य वन सरंक्षक एवं मुख्य वन्यप्राणी सरंक्षक अरूण कुमार पाण्डे ने कहा कि पर्यावरण को जो नुकसान हो चुका है उसे तो हम नहीं बदल सकते हैं लेकिन अब हमें अपनी जिम्मेदारी उठानी होगी। कभी भी पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने का कार्य न करें। धरती के प्रति कृतज्ञता का भाव रखें। पर्यावरण कोई समस्या नहीं है। समस्या हम स्वयं हैं। हरेक को पर्यावरण की रक्षा करने में अपना योगदान देना होगा। पेड़ लगाना होगा। रायपुर केन्द्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने कहा कि यह सोचने की बात है कि हमें विश्व पृथ्वी दिवस मनाने की जरूरत क्यों पड़ी? एक समय था कि संसार का वायुमण्डल शुद्ध था। नदियों का पानी स्वच्छ था। प्रकृति हमारी सारी जरूरतों को पूरा कर रही थी। लेकिन हमने अपने स्वार्थवश इसे प्रदूषित कर दिया। लोग प्रकृति का दोहन अपने स्वार्थ के लिए करने लगे हैं। इन दिनों ब्रह्माकुमारी संस्था बिना रसायनिक खाद के जैविक खेती पर बहुत काम कर रही है। हमारी संस्थान से जुड़े किसानों ने जब जैविक खेती की शुरूआत की तो उनकी पैदावार प्रति एकड़ डेढ़ गुणा बढ़ गई। इससे मिट्टी की गुणवत्ता में भी बहुत सुधार देखा गया।इससे पहले परिचर्चा की शुरूआत करते हुए ब्रह्माकुमारी रश्मि दीदी ने बतलाया कि धरती को प्रदूषण मुक्त और सुरक्षित करने के लिए विश्व पृथ्वी दिवस की शुरूआत वर्ष 1970 में अमेरिका में हुई। प्रकृति को प्रभु का उपहार समझकर उपयोग करें तो उसका दुरूपयोग रूक जाएगा। प्रदूषण बढने् का प्रमुख कारण मानसिक प्रदूषण है। अन्त में ब्रह्माकुमारी रिंकू दीदी ने सभी को राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया।

पावर हाउस चौक पर अतिक्रमण के खिलाफ दूसरे दिन भी निगम की कार्रवाई जारी

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने एवं सड़कों को अतिक्रमण मुक्त रखने के उद्देश्य से पावर हाउस चौक पर दूसरे दिन भी सख्त कार्रवाई की गई।

निगम की टीम ने उन व्यापारियों एवं ठेला संचालकों पर कार्रवाई की, जो सड़क के बीचों-बीच सामान रखकर या फल-ठेला लगाकर व्यवसाय कर रहे थे। ऐसे अतिक्रमण के कारण मार्ग अवरुद्ध हो रहा था, जिससे आए दिन जाम की स्थिति बनती है और दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। कार्रवाई के दौरान निगम अमले ने सड़क पर रखे सामान को हटवाया तथा संबंधित लोगों को सख्त हिदायत दी गई कि वे निर्धारित स्थानों पर ही अपना व्यवसाय करें। साथ ही

चेतावनी दी गई कि भविष्य में पुन: अतिक्रमण पाए जाने पर जुर्माना एवं कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निगम अधिकारियों ने बताया कि पावर हाउस चौक शहर का अत्यंत व्यस्त मार्ग है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में वाहनों का आवागमन होता है। ऐसे में सड़क पर अतिक्रमण से आम नागरिकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। नगर निगम ने नागरिकों एवं व्यापारियों से अपील की है कि वे यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें और सड़क पर अतिक्रमण न करें, ताकि शहर को सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाया जा सके।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

संक्षिप्त समाचार

भारत रत्न सचिन तेंदुलकर का एयरपोर्ट में आत्मीय स्वागत

जगदलपुर/विश्व परिवार)। भारत रत्न और भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मशहूर क्रिकेटर श्री सचिन तेंदुलकर के बस्तर आगमन पर माँ दंतेश्वरी एयरपोर्ट जगदलपुर में वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया।इस दौरान कमिश्नर बस्तर संभाग श्री डोमन सिंह, आईजी बस्तर रेंज श्री सुंदरराज पी, कलेक्टर श्री आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा, एसडीएम श्री ऋषिकेश तिवारी एवं श्री विपिन दुबे सहित अन्य अधिकारियों ने आत्मीय स्वागत किया।

संत निरंकारी चैरिटेबल फ़ाउंडेशन द्वारा विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन

जगदलपुर/विश्व परिवार)। संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा समूचे भारतवर्ष में हर वर्ष विशाल रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाता है, जिसमें शासकीय अस्पतालों के सहयोग से रक्तदान करवाने की समुचित व्यवस्था की जाती है और रक्त को स्टोर कर जरूरतमंदों को रक्त प्रदान किया जाता है।

इस कड़ी में पहली बार ब्रांच जगदलपुर में 25 अप्रैल 2026 (शनिवार) को एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन महारानी अस्पताल में सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक किया जा रहा है। इस शिविर में ज्यादा रक्तदान होने की संभावना है। इस आयोजन में लगभग सभी रक्तदाताओं के लिए जूस, बिस्किट, फल आदि की व्यवस्था भी की जाएगी ताकि रक्तदाताओं को बेहतर सुविधा मिल सके।

संत निरंकारी मिशन, ब्रांच जगदलपुर द्वारा समस्त रक्तदाताओं के लिए प्रशंसनीय पत्र व प्रतीक चिह्न भी प्रदान किए जाएंगे। गोवर्धन दास नवतानी (मुखी), संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन ने जानकारी दी इस रक्तदान शिविर के माध्यम से फाउंडेशन का उद्देश्य रक्त की कमी को दूर करना और समाज में सेवा की भावना को प्रोत्साहित करना है।

तीन गुना चॉकलेट, तीन गुना प्यार: एक 'दिलदारी' भरा पल - दिनशॉज ने विनोद कांबली के साथ लॉन्च किया नया कैंपेन

मुंबई : इस गर्मी, दिनशॉज भारत की सबसे पसंदीदा डेज़र्ट आदतों में से एक—आइसक्रीम कोन के आखिरी बाइट—को और भी खास, रिच और यादगार बना रहा है। अपने नए 'दिलदारी' कैंपेन के साथ ब्रांड ने एक नया कोन अनुभव पेश किया है, जिसमें कोन के सबसे नीचे अब तीन गुना ज्यादा सॉलिड चॉकलेट दी गई है। यानी जिस आखिरी बाइट का हर कोई बेसब्री से इंतजार करता है, वही अब इस कहानी का असली हीरो बन गया है। पूर्व भारतीय क्रिकेट स्टार विनोद कांबली इस कैंपेन का चेहरा हैं। यह अभियान भावनाओं, पुरानी यादों और उदारता को खूबसूरती से जोड़ते हुए एक सीधी लेकिन गहरी बात कहता है—ज़िंदगी में कई बार छोटी-छोटी चीज़ें ही सबसे बड़ा असर छोड़ जाती हैं। इस कैंपेन का केंद्र है दिनशॉज का नया अपग्रेडेड कोन, जो 'दिलदारी' की भावना को पूरी तरह जीता है। अब कोन के निचले सिरे पर तीन गुना ज्यादा सॉलिड चॉकलेट है, जिससे वह आखिरी बाइट—जिसे लोग अक्सर सबसे आखिर के लिए बचाकर रखते हैं—एक बिल्कुल अलग और खास अनुभव बन जाती है। एक साधारण से पल को खास बनाकर, ब्रांड रोजमर्रा की इस छोटी-सी खुशी को और भी यादगार और संतोषजनक बना रहा है। कैंपेन फिल्म में विनोद कांबली की मौजूदगी इसे और भी भावनात्मक गहराई देती है। उनकी जिंदगी—उम्मीदों, उतार-चढ़ाव और संघर्षों से भरी यात्रा—इस कहानी को सच्चाई और अपनापन देती है। फिल्म की पंच लाइन, जिनको लाइफमें थोड़ा कम मिला, उनके लिए थोड़ा ज़्यादा दिनशॉज की सोच को खूबसूरती से सामने लाती है—जहां थोड़ा ज्यादा देना भी किसी के लिए बहुत मायने रख सकता है। कैंपेन के बारे में बात करते हुए दिनशॉज के डायरेक्टर ज़र्विन राणा ने कहा, हम हमेशा मानते हैं कि सबसे अच्छी इनोवेशन वहीं से आती है, जहाँ हम सच में समझते हैं कि ग्राहक क्या पसंद करते हैं। बहुत से लोगों के लिए कोन की आखिरी बाइट सबसे संतोष देने वाला हिस्सा होती है।

मिलीभगत से रौंदा गया न्याय? — तहसीलदार व एसडीएम (राजस्व) पर गंभीर आरोप, 7 एकड़ जमीन विवाद में पीड़िता भटकी दर-दर

बेसहारा महिला का दावा : बराबरी का हक छीना, न्याय के लिए सालों से तरसती रही

गरियाबंद (विश्व परिवार)। छुरा नगर के वार्ड क्रमांक 12, झूलेलाल पारा निवासी गंगा ध्रुव का पैतृक संपत्ति विवाद अब राजस्व तंत्र पर सीधे सवाल खड़े कर रहा है। गंगा ध्रुव ने आरोप लगाया है कि तहसीलदार और अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) की कथित मिलीभगत के चलते उन्हें उनके वैधानिक अधिकार से वंचित कर दिया गया और वे वर्षों से न्याय के लिए भटकती रही हैं।

मामले के अनुसार, वर्ष 2021 में माता-पिता के निधन के बाद परिवार की लगभग 7 एकड़ पैतृक कृषि भूमि, जिसमें खसरा नंबर 139/1 एवं 118 शामिल हैं, कच्चा मकान और बाड़ी (खाली प्लॉट) का बंटवारा किया गया। आवेदिका गंगा ध्रुव का आरोप है कि इस बंटवारे में भाइयों को कच्चा मकान और खेती योग्य भूमि का बड़ा हिस्सा दिया गया, जबकि बहनों को केवल बाड़ी के छोटे-छोटे टुकड़े देकर औपचारिकता पूरी कर दी गई। गंगा ध्रुव को भी एक छोटा प्लॉट मिला, जिस पर उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान बनाकर किसी तरह जीवन यापन शुरू किया।

पीड़िता का कहना है कि बंटवारे के समय उन्हें कानूनी जानकारी नहीं थी, जिसका फायदा उठाकर उनके साथ अन्याय किया गया। बाद में जब जमीन की बिक्री हुई, तब रजिस्ट्री के दौरान उनसे सहमति ली जाती रही, जिसे उन्होंने पारिवारिक भरोसे में दे दिया। अब उन्हें एहसास हुआ है कि इसी प्रक्रिया में उनका हक कमजोर कर दिया गया।

न्याय के लिए उन्होंने तहसील न्यायालय में आवेदन दिया, लेकिन उनका आरोप है कि वहां उनके मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया। इसके बाद उन्होंने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के समक्ष अपील की, लेकिन वहां भी उन्हें राहत नहीं मिली।

गंगा ध्रुव ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनके मामले में तहसीलदार और अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) की कार्यप्रणाली संदिग्ध रही और निष्पक्ष जांच नहीं की गई। उनका कहना है कि हम जैसे बेसहारा लोगों के लिए न्याय सिर्फ कागजों में है, असल में यहां पहुंच और प्रभाव ही चलता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनके प्रकरण में तथ्यों की अनदेखी की गई और यदि सही तरीके से जांच होती तो उन्हें उनका वैधानिक हिस्सा जरूर मिलता।

कानूनी रूप से हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 (2005 संशोधन) के तहत बेटियों को पैतृक संपत्ति में बराबरी का अधिकार प्राप्त है। इसके बावजूद यदि किसी महिला को उसके हिस्से से वंचित किया जाता है, तो यह कानून के प्रावधानों के विपरीत है।

अब गंगा ध्रुव ने पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है और कहा है कि यदि उन्हें शीघ्र न्याय नहीं मिला तो वे न्यायालय का दरवाजा खटखटाने को मजबूर होंगी। उन्होंने प्रशासन से अपील की है कि उनके प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर उन्हें उनका अधिकार दिलाया जाए और यदि किसी स्तर पर लापरवाही या पक्षपात हुआ है तो जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

यह मामला अब एक बड़े सवाल के रूप में सामने आया है–क्या आम और बेसहारा नागरिक को न्याय मिल पाता है, या फिर व्यवस्था में प्रभाव और पहुंच ही अंतिम निर्णय तय करती है?

अब निगाहें प्रशासन पर टिकी हैं – क्या पीड़िता को न्याय मिलेगा या यह मामला भी अन्य मामलों की तरह फाइलों में दबकर रह जाएगा?

लाखों की पानी टंकी का भूमिपूजन बना सियासी मंचः पूर्व अध्यक्ष की अनदेखी पर आम जन व पार्षदों में नाराजगी

पूर्व नपा अध्यक्ष के कार्यकाल में स्वीकृत योजना, भूमिपूजन में नहीं मिला बुलावा

कार्यक्रम में कई पार्षदों ने सार्वजनिक रूप से किया पूर्व अध्यक्ष को याद

गरियाबंद (विश्व परिवार)। नगरपालिका क्षेत्र में लाखों रुपए की लागत से बनने वाली बहुप्रतीक्षित पानी टंकी का भूमिपूजन कार्यक्रम उस समय सियासी रंग में रंग गया,जब इस योजना को स्वीकृति दिलाने वाले पूर्व नपा अध्यक्ष को ही कार्यक्रम से दूर रखा गया। उनकी अनुपस्थिति ने जहां राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी,वहीं कार्यक्रम में मौजूद पार्षदों और जनप्रतिनिधियों ने भी खुले मंच से पूर्व अध्यक्ष के योगदान को याद करते हुए सवाल खड़े कर दिए।

नगर के सिविल लाईन में पांच लाख लीटर के क्षमता वाली 89 लाख रुपए की लागत से बनने वाले पानी टंकी के भूमिपूजन में प्रशासनिक और राजनीतिक हस्तियों की मौजूदगी रही,लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा उस चेहरे की रही जो वहां नहीं था। यह वही पूर्व नपा अध्यक्ष हैं,जिनके कार्यकाल में इस महत्वपूर्ण योजना को स्वीकृति मिली थी और जिसके लिए 89 लाख रुपए की राशि स्वीकृत कराई गई थी,जबकि पूर्व अध्यक्ष भी बीजेपी पार्टी के समर्पित सदस्य है और वर्तमान अध्यक्ष भी बीजेपी का ही है।

बताया जा रहा है कि योजना की फाइल से लेकर स्वीकृति तक की पूरी प्रक्रिया पूर्व अध्यक्ष के कार्यकाल में पूरी हुई थी।ऐसे में भूमिपूजन कार्यक्रम में उन्हें आमंत्रित नहीं किया जाना कई लोगों को खटक गया।कार्यक्रम के दौरान कई पार्षदों ने मंच से ही पूर्व अध्यक्ष का नाम लेते हुए उनके प्रयासों की सराहना की और कहा कि ÷जिस व्यक्ति की मेहनत से यह योजना धरातल पर आई,उसे ही दूर रखना उचित नहीं है।÷

सूत्रों के अनुसार,यह मामला अब सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है।कुछ पार्षदों ने इसे ÷राजनीतिक द्वेष÷ करार दिया,जबकि कुछ ने इसे ÷परंपरा और मर्यादा के खिलाफ÷ बताया। वहीं स्थानीय नागरिकों का भी कहना है कि विकास कार्यों को राजनीति से ऊपर उठकर देखा जाना चाहिए और जिसने भी क्षेत्र के लिए काम किया है, उसे सम्मान मिलना चाहिए।

राजनीतिक बयानबाजी तेजः कार्यक्रम के बाद नगर की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। विपक्षी खेमे ने इसे वर्तमान नेतृत्व की संकीर्ण सोच बताते हुए निशाना साधा है,जबकि सत्ताधारी पक्ष इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पानी जैसी बुनियादी सुविधा के लिए बनने वाली टंकी का स्वागत किया जाना चाहिए,लेकिन इस तरह के आयोजनों में सभी जनप्रतिनिधियों को साथ लेकर चलना चाहिए ताकि जनता के बीच सकारात्मक संदेश जाए।

पानी टंकी का यह भूमिपूजन जहां विकास की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है, वहीं पूर्व अध्यक्ष की अनदेखी ने इस पूरे आयोजन को विवादों में ला दिया है।अब देखना होगा कि यह मामला आगे किस दिशा में जाता है और क्या भविष्य में ऐसे आयोजनों में राजनीतिक समन्वय बेहतर हो पाता है या नहीं।पानी टंकी भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान मौजूद जनप्रतिनिधि एवं पार्षद,मंच से पूर्व नपा अध्यक्ष को याद करते रहे।

संघर्ष से सफलता तक, रेंट वाला घर से 'बॉबी' का बड़ा धमाका!

गरियाबंद का लड़का अब OTT में मचाएगा तहलका मुंबई की मायानगरी में शुरू हुआ स्टार बनने का सफर

गरियाबंद (विश्व परिवार)। छोटे जिले से बड़े सपने देखने वाले युवाओं के लिए एक जबरदस्त मिसाल सामने आई है। गरियाबंद का होनहार कलाकार अमन तिवारी उर्फ 'बाबी' अब मुंबई की मायानगरी में अपनी पहचान बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। उनकी नई वेब सीरीज़ ÷रेंट वाला घर÷ के जरिए बाबी ह्रञ्ज्ञ प्लेटफॉर्म पर एंट्री करने जा रहे हैं, जिसे लेकर जिलेभर में उत्साह का माहौल है।

बाबी का ये सफर कोई रातों-रात मिला मुकाम नहीं, बल्कि सालों की कड़ी मेहनत, संघर्ष और जुनून का नतीजा है। इससे पहले भी वे वेब सीरीज़ ÷सरकारी अफसर÷ में नजर आ चुके हैं और छत्तीसगढ़ के चर्चित प्रोडक्शन हाउस एन. माही प्रोडक्शन की फिल्म ÷मोह और माया÷ में बतौर अभिनेता और असिस्टेंट डायरेक्टर अपनी छाप छोड़ चुके हैं। खास बात यह है कि यह फिल्म बड़े थिएटर में रिलीज हुई थी, जिससे उनके टैलेंट को व्यापक पहचान मिली।

अमन का अभिनय सफर बचपन से ही शुरू हो गया था, लेकिन इसे प्रोफेशनल रूप तब मिला जब उन्होंने गुजरात की एम.एस. यूनिवर्सिटी, बड़ोदा से तीन साल तक थिएटर की पढ़ाई की। इसके बाद दिल्ली, मुंबई, लखनऊ और नागपुर जैसे बड़े शहरों में लगातार थिएटर कर अपनी एक्टिंग को निखारा। वे नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (दिल्ली) के प्रतिष्ठित ÷भारत रंग महोत्सव÷ जैसे बड़े मंच पर भी दो बार प्रदर्शन कर चुके हैं–जो किसी भी कलाकार के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जाती है।

बाबी कहते हैं, ÷सफलता एक दिन में नहीं मिलती, लेकिन अगर मेहनत और जुनून सच्चा हो, तो मंज़िल जरूर मिलती है।÷ वे अपनी सफलता का पूरा श्रेय अपने माता-पिता को देते हैं, जिनका साथ हर मुश्किल में उनके साथ रहा।

फिलहाल बाबी मुंबई और दिल्ली में अपनी आगामी वेब सीरीज़ ÷रेंट वाला घर÷ की शूटिंग में व्यस्त हैं। उनका अगला लक्ष्य बड़े बैनर की फिल्मों में काम करना है और जिस रफ्तार से वे आगे बढ़ रहे हैं, उसे देखकर लगता है कि वह दिन दूर नहीं।

गरियाबंद के वरिष्ठ पत्रकार ज्ञानेश तिवारी ने बेटे 'बाबी' की इस बड़ी सफलता पर गर्व जताते हुए एक भावुक और प्रेरणादायक बात कही। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने दोनों बच्चों को हमेशा पढ़ाई के साथ-साथ हर तरह की एक्टिविटी में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया–चाहे वह ड्रामा हो, स्पोट्र्स हो या अन्य रचनात्मक गतिविधियां।उन्होंने जोर देकर कहा कि बच्चों पर कभी भी किसी एक दिशा का दबाव नहीं डालना चाहिए। ÷हर बच्चे की अपनी अलग पहचान और रुचि होती है। हमें यह समझना चाहिए कि उन्हें किस चीज में खुशी मिलती है, किस काम में उनका मन लगता है। जब हम उनकी रुचि को पहचान लेते हैं, तो वही उनका असली रास्ता बन जाता है,÷ उन्होंने कहा।सही मार्गदर्शन और खुला माहौल ही बच्चों को ऊंचाइयों तक पहुंचाता है। ÷अगर हम बच्चों को उनकी पसंद के अनुसार आगे बढ़ने दें और उन्हें सपोर्ट करें, तो वे न सिर्फ खुद सफल होते हैं, बल्कि परिवार और समाज का नाम भी रोशन करते हैं,÷ उनकी यह सोच आज बाबी की सफलता के रूप में सामने आई है, जो यह साबित करती है कि जब जुनून को सही दिशा मिलती है, तो छोटे शहर का बच्चा भी बड़े मंच पर चमक सकता है।

गरियाबंद जैसे छोटे जिले से निकलकर ह्रञ्ज्ञ प्लेटफॉर्म तक पहुंचना सिर्फ बाबी की उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के युवाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा है।

अब सबकी नजर इस पर टिकी है–क्या 'रेंट वाला घर' से बाबी बनेंगे ह्रञ्ज्ञ के नए सुपरस्टार? जवाब जल्द सामने होगाज

निवा बूपा ने पेश की यंग इंडिया हेल्थ इंश्योरेंस रिपोर्टतैयारी मापने के लिए पहली बार लॉन्च किया हेल्थ प्रोटेक्शन स्कोर

गुरुग्रामः निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस ने आज अपने सालाना मुख्य इवेंट बेटर टुगेदर में यंग इंडिया हेल्थ इंश्योरेंस रिपोर्ट ङ्क इंडियाज़ हेल्थ प्रोटेक्शन स्कोर को पेश किया। यह इवेंट कंपनी के पार्टनर्स और डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क से जुड़े लीडर्स का एक बड़ा जमावड़ा है। यह कार्यक्रम आपसी बातचीत को बढ़ावा देने, तालमेल को मजबूत करने और हेल्थ इंश्योरेंस सेक्टर के भविष्य की योजना बनाने के लिए एक रणनीतिक मंच के रूप में काम करता है—जिसमें ग्राहकों की जरूरतों को सबसे ऊपर रखा जाता है। यंग इंडिया रिपोर्ट एक सर्वेक्षण पर आधारित है जो 35+ शहरी और ग्रामीण केंद्रों के 2,400+ उत्तरदाताओं के बीच किया गया था, जिसमें टियर 1, 2 और 3 शहरों के साथ-साथ गाँव भी शामिल हैं। यह युवा उपभोक्ताओं के बीच स्वास्थ्य बीमा के प्रति जागरूकता और वास्तविक स्वामित्व के बीच एक बड़े अंतर को उजागर करता है। जबकि 51 प्रतिशत युवा भारतीय स्वास्थ्य बीमा को अपनी शीर्ष तीन वित्तीय प्राथमिकताओं में रखते हैं—जो एक मजबूत इरादे को दर्शाता है—केवल 14 प्रतिशत के पास वर्तमान में व्यक्तिगत पॉलिसी है, जो जागरूकता और कार्रवाई के बीच एक स्पष्ट अंतर को प्रकट करता है। रिपोर्ट की एक मुख्य विशेषता हेल्थ प्रोटेक्शन स्कोर (HPS) की शुरुआत है—यह अपनी तरह का पहला कंपोजिट मीट्रिक (मिश्रित पैमाना) है जिसे यह आंकने के लिए बनाया गया है कि युवा भारतीय मेडिकल इमरजेंसी से निपटने के लिए कितने तैयार हैं।

आजीविका की नई रफ्तार : एजीईवाय योजना के तहत स्व-सहायता समूहों को मिली वाहन की सौगात

बीजापुर। जिला पंचायत बीजापुर में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान योजना) के अंतर्गत आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना के तहत आज एक महत्वपूर्ण पहल की गई, जिसने ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और परिवहन सुविधा को नई दिशा दी है।

चार वाहनों का वितरण, आजीविका को मिला बल- इस कार्यक्रम के तहत विकासखंड भैरमगढ़ के सीएलई (क्लस्टर लेवल फेडरेशन) को 3 वाहन तथा विकासखंड उसूर के एजीईवाय को 1 वाहन प्रदान किया गया। इन वाहनों को कलेक्टर संबित मिश्रा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी नम्रता चौबे द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम- यह पहल विशेष रूप से महिला स्व-सहायता समूहों के लिए एक नई उम्मीद लेकर आई है। इन वाहनों के माध्यम से समूह अब स्थानीय परिवहन सेवाएं संचालित कर सकेंगे, जिससे उनकी नियमित आय सुनिश्चित होगी और आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा। ग्रामीण परिवहन और रोजगार को मिलेगा संबल

एजीईवाय योजना के तहत दिए गए वाहन ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन सुविधा को मजबूत करेंगे। इससे गांवों से शहर तक आवागमन आसान होगा, वहीं स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। यह कदम न केवल आजीविका बढ़ाने में सहायक होगा, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी गति देगा।

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता बीजापुर- जिला प्रशासन ने इस पहल को ग्रामीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। अधिकारियों का मानना है कि इस योजना के माध्यम से स्व-सहायता समूहों की आय में वृद्धि होगी और वे आत्मनिर्भर बनने की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाएंगे एजीईवाय योजना के तहत किया गया यह

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 1 (छत्तीसगढ़)

निविदा सूचना

(द्वितीय आमंत्रण)

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :–

एन.आई.टी. क्र. /सिस्टम टेन्डर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत रू. (लाख में)
1	2	3
316/189189	CONSTRUCTION OF R.C.C. DRAIN COVER ON KURRA TO GOBRA NAWAPARA ROAD - 4 LANE ROAD	रू. 41.57 लाख

निविदा डाउनलोड़ करने की अंतिम तिथि दिनांक 04.05.2026 समय सायं 5:30 बजे तक

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी https://eproc.cgstate.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउनलोड की जा सकती है।

G-262700300/3

अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग,
रायपुर मंडल क्रं.–1, रायपुर (छ.ग.)

हर रिश्ता बड़ी ही ईमानदारी से निभाया भगवान श्रीकृष्ण ने

भगवान श्रीकृष्ण ने हर रिश्ता बड़ी ही ईमानदारी से निभाया और हर रिश्तों को उन्होंने महत्व दिया। आओ जानते हैं कि इस संबंध में कुछ खास जानकारी।

मित्रता का रिश्ता

भगवान श्रीकृष्ण के हजारों सखा या कहें कि मित्र थे। श्रीकृष्ण के सखा सुदामा, श्रीदामा, मधुमंगल, सुबाहु, सुबल, भद्र, सुभद्र, मणिभद्र, भोज, तोककृष्ण, वरूथप, मधुकंड, विशाल, रसाल, मकरन्द, सदानन्द, चन्द्रहास, बकुल, शारद, बुद्धिप्रकाश, अर्जुन आदि थे। श्रीकृष्ण की सखियां भी हजारों थीं। राधा, ललिता आदि सहित कृष्ण की 8 सखियां थीं।

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार सखियों के नाम इस तरह हैं- चन्द्रावली, श्यामा, शैव्या, पद्या, राधा, ललिता, विशाखा तथा भद्रा। कुछ जगह ये नाम इस प्रकार हैं- चित्रा, सुदेवी, ललिता, विशाखा, चम्पकलता, तुंगविद्या, इन्दुलेखा, रंगदेवी और सुदेवी। कुछ जगह पर ललिता, विशाखा, चम्पकलता, चित्रादेवी, तुंगविद्या, इन्दुलेखा, रंगदेवी और कृत्रिमा (मनेली)। इनमें से

गई सभी महिलाएं कृष्ण की सखियां थीं। द्रौपदी भी श्रीकृष्ण की सखी थीं। श्रीकृष्ण ने सभी के साथ अंत तक मित्रता का संबंध निभाया।

प्रेमी कृष्ण

कृष्ण को चाहने वाली अनेक गोपियां और प्रेमिकाएं थीं। कृष्ण-भक्त कवियों ने अपने काव्य में गोपी-कृष्ण की रासलीला को प्रमुख स्थान दिया है। पुराणों में गोपी-कृष्ण के प्रेम संबंधों को आध्यात्मिक और अति श्रांगारिक रूप दिया गया है। महाभारत में यह आध्यात्मिक रूप नहीं मिलता, लेकिन पुराणों में मिलता है। उनकी प्रेमिका राधा, रुक्मिणी और ललिता की ज्यादा चर्चा होती है।

पति कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण की 8 पत्नियां थीं- रुक्मिणी, जाम्बवंती, सत्यभामा, मित्रवंदा, सत्या, लक्ष्मणा, भद्रा और कालिंदी। इनसे श्रीकृष्ण को लगभग 80 पुत्र हुए थे।

भाई कृष्ण

कृष्ण की 3 बहनें थीं- एकानंगा (यह यशोदा की पुत्री थीं), सुभद्रा और द्रौपदी (मानस भगिनी)। कृष्ण के भाइयों में नेमिनाथ, बलराम और गद थे।

श्रीकृष्ण के माता पिता

श्रीकृष्ण के माता पिता वसुदेव और देवकी थे, परंतु उनके पालक माता पिता नंदबाबा और माता यशोदा थीं। श्रीकृष्ण ने इन्हीं के साथ अपनी सभी सौतेली माता रोहिणी आदि सभी के सात बराबरी का रिश्ता रखा।

अन्य रिश्तों में श्रीकृष्ण

श्रीकृष्ण ने अपनी बुवाओं से भी खूब रिश्ता निभाया था। कुंती और सुतासुभा से भी रिश्ता निभाया। कुंती को वचन दिया था कि मैं तुम्हारे पुत्रों की रक्षा करूंगा और सुतासुभा को वचन दिया था कि मैं तुम्हारे पुत्र शिशुपाल के 100 अपराध क्षमा करूंगा। इसी प्रकार सुभद्रा का विवाह कृष्ण ने अपनी बुआ

पुत्र साम्ब का विवाह दुर्योधन की पुत्री लक्ष्मणा से किया था। श्रीकृष्ण के रिश्तों की बात करें तो वे बहुत ही उलझे हुए थे। श्रीकृष्ण ने अपने भांजे अभिमन्यु को शिक्षा दी थी और उन्होंने ही उसके पुत्र की गर्भ में रक्षा की थी।

शत्रुता का रिश्ता

इसी तरह श्रीकृष्ण ने अपनी शत्रुता का रिश्ता भी अच्छे से निभाया था। उन्होंने कंस, जरासंध, शिशुपाल, भौमासुर, कालय यवन, पौंड्रक आदि सभी शत्रुओं को सुधरने के भरपूर मौका दिया और अंत में उनका वध कर दिया।

रक्षक कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण ने किशोरावस्था में ही चाणूर और मुष्टिक जैसे खतरनाक मल्लों का वध किया था, साथ ही उन्होंने इंद्र के प्रकोप के चलते जब वृंदावन आदि ब्रज क्षेत्र में जलप्रलय हो चली थी, तब गोवर्धन पर्वत अपनी अंगुली पर उठाकर सभी ग्रामवासियों की रक्षा की थी।

शिष्य कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण के गुरु सांदीपनी थे। उनका आश्रम अवंतिका (उज्जैन) में था। कहते हैं कि उन्होंने जैन धर्म में 22वें तीर्थंकर नेमीनाथजी से भी ज्ञान ग्रहण किया था। श्रीकृष्ण गुरु दीक्षा में सांदीपनी के मृत पुत्र को यमराज से मुक्ति कराकर ले आए थे।

चंद्र की उत्पत्ति कैसे हुई? क्या कहते हैं पुराण? चंद्रमा की जन्म कथा

सुंदर सलोने चंद्रमा को देवताओं के समान ही पूजनीय माना गया है। चंद्रमा के जन्म की कहानी पुराणों में अलग-अलग मिलती है। ज्योतिष और वेदों में चंद्र को मन का कारक कहा गया है। वैदिक साहित्य में सोम का स्थान भी प्रमुख देवताओं में मिलता है। अग्नि, इंद्र, सूर्य आदि देवों के समान ही सोम की स्तुति के मंत्रों की भी रचना ऋषियों द्वारा की गई है।

पुराणों के अनुसार चंद्र की उत्पत्ति

मत्स्य एवं अग्नि पुराण के अनुसार जब ब्रह्मा जी ने सृष्टि रचने का विचार किया तो सबसे पहले अपने मानसिक संकल्प से मानस पुत्रों की रचना की। उनमें से एक मानस पुत्र ऋषि अत्रि का विवाह ऋषि कर्दम की कन्या अनुसुइया से हुआ जिससे दुर्वासा, दत्तात्रेय व सोम तीन पुत्र हुए। सोम चंद्र का ही एक नाम है। पद्म पुराण में चंद्र के जन्म का अन्य वृतांत दिया गया है।

ब्रह्मा ने अपने मानस पुत्र अत्रि को सृष्टि का विस्तार करने की आज्ञा दी। महर्षि अत्रि ने अनुत्तर नाम का तप आरंभ किया। तप काल में एक दिन महर्षि के नेत्रों से जल की कुछ बूंदें टपक पड़ी जो बहुत प्रकाशमय थीं। दिशाओं ने स्त्री रूप में आकर पुत्र प्राप्ति की कामना से उन बूंदों को ग्रहण कर लिया जो उनके उदर में गर्भ रूप में स्थित हो गया। परंतु उस प्रकाशमान गर्भ को दिशाएं धारण न रख सकीं और त्याग दिया।

उस त्यागे हुए गर्भ को ब्रह्मा ने पुरुष रूप दिया जो चंद्रमा के नाम से प्रख्यात हुए। देवताओं, ऋषियों व गंधर्वों आदि ने उनकी स्तुति की। उनके ही तेज से पृथ्वी पर दिव्य औषधियां उत्पन्न हुई। ब्रह्मा जी ने चंद्र को नक्षत्र, वनस्पतियों, ब्राह्मण व तप का स्वामी नियुक्त किया।

स्कंद पुराण के अनुसार जब देवों तथा दैत्यों ने क्षीर सागर का मंथन किया था तो उस में से चौदह रत्न निकले थे। चंद्रमा उन्हीं चौदह रत्नों में से एक है जिसे लोक कल्याण हेतु, उसी मंथन से प्राप्त कालकूट विष को पी जाने वाले भगवान शंकर ने अपने मस्तक पर धारण कर लिया। पर ग्रह के रूप में चंद्र की उपस्थिति मंथन से पूर्व भी सिद्ध होती है।

स्कंद पुराण के ही माहेश्वर खंड में गर्गाचार्य ने समुद्र मंथन का मुहूर्त निकालते हुए देवों को कहा कि इस समय सभी ग्रह अनुकूल हैं। चंद्रमा से गुरु का शुभ योग है। तुम्हारे कार्य की सिद्धि के लिए चंद्र बल उत्तम है। यह गोमंत मुहूर्त तुम्हें विजय देने वाला है।

अत: यह संभव है कि चंद्रमा के विभिन्न अंशों का जन्म विभिन्न कालों में हुआ हो। चंद्र का विवाह दक्ष प्रजापति की नक्षत्र रूपी 27 कन्याओं से हुआ जिनसे अनेक प्रतिभाशाली पुत्र हुए। इन्हीं 27 नक्षत्रों के भोग से एक चंद्र मास पूर्ण होता है।

इस मंदिर में मूर्तियों से निकलती हैं आवाजें

पत्थर की होती है, लेकिन जिस भी देवी या देवता की यह मूर्ति बनाई गई है उन देवी या देवताओं के अस्तित्व और उनकी शक्ति को नहीं नकारा जा सकता। आए दिन देवी या देवता अपने होने का अहसास कराते रहते हैं। इसी अहसास को चमत्कार कहा जाता है। ऐसा ही एक चमत्कार बिहार के बक्सर में स्थित देवी के एक मंदिर में देखने को मिला। यहां आकर आपको दुर्गा शक्ति के होने पर यकीन हो जाएगा क्योंकि यहां की मूर्तियां आपसे बात करती है। जब वैज्ञानिकों ने इसकी खोज की तो उन्होंने भी इस बात से इनकार नहीं किया। यह मंदिर 400 वर्ष पुराना है। प्रसिद्ध तांत्रिक भवानी मिश्र ने करीब 400 वर्ष पहले इस मंदिर की स्थापना की थी। तब से आज तक इस मंदिर में उन्हीं के परिवार के सदस्य पुजारी बनते रहे हैं। तंत्र साधना से ही यहां माता की प्राण प्रतिष्ठा की गई है। दरअसल, तंत्र साधना के लिए प्रसिद्ध बिहार के इस इकलौते राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर मे यहां पर किसी के नहीं होने पर आवाजें सुनाई तेती हैं। इस मंदिर मे दस महाविद्याओं काली, त्रिपुर भैरवी, धुमावती, तारा, छिन्न मस्ता, षोडसी, मातंगड़ी, कमला, उग्र तारा, भुवनेश्वरी की मूर्तियां स्थापित हैं। इसके अलावा यहां

काल भैरव व मातंगी भैरव की प्रतिमा स्थापित की गई है। यहां साधना करने वाले हर साधकों की हर तरह की मनोकामना पूर्ण होती है। देर रात तक साधक इस मंदिर में साधना में लीन रहते हैं। मंदिर में प्रधान देवी राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी है। तांत्रिकों की आस्था इस मंदिर के प्रति अटूट

तरह की आवाजें सुनाई देती हैं। राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर की सबसे अनोखी मान्यता यह है कि निस्तब्ध निशा में यहां स्थापित मूर्तियों से बोलने की आवाजें आती हैं। मध्य-रात्रि में जब लोग यहां से गुजरते हैं तो उन्हें आवाजें सुनाई पड़ती हैं। वैज्ञानिकों की मानें, तो यह कोई वहम नहीं है। इस

पर शब्द भ्रमण करते रहते हैं। वैज्ञानिकों ने यह भी मान लिया है कि हां पर कुछ न कुछ अजीब घटित होता है, जिससे कि यहां पर आवाज आती है। मानो या न मानो यह एक चमत्कार ही है कि यहां अजीब तरह के आवाजें आती है जो कि किसी मानव की आवाजों की तरह की है। माना जाता है कि संपूर्ण अखंड भारत में जहां भी माता के शक्तिपीठ हैं वे सभी जागृत और सिद्ध शक्तिपीठ हैं।

क्या गाय, कुत्ते और पक्षियों को पानी पिलाने से खुल जाते हैं किस्मत के दरवाजे

हिन्दू धर्म में कुछ पशु और पक्षियों को बहुत ही शुभ माना जाता है। मान्यता के अनुसार इन्हें अन्न और जल देने से जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं। प्रत्येक हिन्दू घर में जब भोजन बनता है तो पहली रोटी गाय के लिए और अंतिम रोटी कुत्ते के लिए होती है। भोजन करने के पूर्व अग्नि को उसका कुछ भाग अर्पित किया जाता है जिसे अग्निहोत्र कर्म कहते हैं। प्रत्येक हिन्दू को भोजन करते वक्त थाली में से 3 ग्रास (कोल) निकालकर अलग रखना होता है। यह तीन कोल ब्रह्मा, विष्णु और महेश के लिए या मन कथन के अनुसार गाय, कौए और कुत्ते के लिए भी रखा जा सकता है।

गाय - गाय को पत्ते पर भोजन परोसकर जल देने से भाग्य जागृत होता है। गाय में सकारात्मक ऊर्जा का भंडार होता है, जो भाग्य को जागृत करने की क्षमता रखती है। गाय को अन्न और जल देने से सभी तरह के संकट दूर होकर घर में सुख, शांति और समृद्धि के द्वारा खुल जाते हैं। प्रतिदिन गाय को रोटी खिलाने गुरु और शुक्र बलवान होता और धन-समृद्धि बढ़ती है।

कुत्ता - कुत्ते को पत्ते पर भोजन परोसकर जल पिलाने से भैरव महाराज प्रसन्न होते हैं और हर तरह के आकस्मिक संकटों से वे भक्त की रक्षा करते हैं। कुत्ता आपकी राहु, केतु के बुरे प्रभाव और यमदूत, भूत प्रेत आदि से रक्षा करता है। कुत्ते को प्रतिदिन भोजन देने से जहां दुश्मनों का भय मिट जाता है वहीं व्यक्ति निडर हो जाता है। ज्योतिषी के अनुसार केतु का प्रतीक है कुत्ता। कुत्ता पालने या कुत्ते की सेवा करने से केतु का अशुभ प्रभाव समाप्त हो जाता है। पितृ पक्ष में कुत्तों को मीठी रोटी खिलानी चाहिए।

कौवा- कौए के लिए छत या भूमि पर भोजन परोसकर सकोरे में उसके लिए जल रखा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कौआ को यमदूत, पितर और देवपुत्र भी माना गया है। कौए को भविष्य में घटने वाली घटनाओं का पहले से ही आभास हो जाता है। कहते हैं कि यदि कौआ आपका भोजन ग्रहण कर ले तो समझो आपके पितर आपसे प्रसन्न और तृप्त हैं और यदि नहीं करें तो समझो कि आपके पितर आपसे नाराज और अतृप्त हैं।

चींटी - चींटियों के लिए पत्ते पर भोजन परोसा जाता। उनके बिल हों, वहां चूरा कर भोजन डाला जाता है। इससे सभी तरह के संकट मिट जाते हैं और घर परिवार में सुख एवं समृद्धि आती है।

देवता - देवबलि अर्थात पत्ते पर देवी देवतों और पितरों को भोजन परोसा जाता है। बाद में इसे उठाकर घर से बाहर उचित स्थान रख दिया जाता है।

पक्षी - पक्षियों को जल अर्पित करने से पुण्य की प्राप्ति होती है और साथ ही हमारे जीवन के संकट मिट जाते हैं। नियमित जल पिलाने से भाग्य जागृत हो जाते हैं और किसी कार्य में आ रही रुकावट दूर होती है। हर कार्य आसानी से होने लगते हैं।

कुंडली की जांचे पन्ना पहनने के नुकसान भी है

पन्ना बुध ग्रह का रत्न है। बुध ग्रह वाणी, व्यापार, बहन, बुआ, मौसी आदि का कारक है। यह रत्न गहरे से हल्के हरे रंग का होता है। पन्ना मुख्यत: 5 रंगों में पाया जाता है। तोते के पंख के समान रंग वाला, पानी के रंग जैसा, सरेस के पुष्प के रंगों वाला, मयूरपंख जैसा और हलके संदुल पुष्प के समान होता है। पन्ना रत्न किसे पहनना चाहिए और किसे नहीं यह जानना भी जरूरी है, क्योंकि कुंडली की जांच किए बगैर इसे पहनने के नुकसान भी है।

किसे पन्ना धारण करना चाहिए

- लग्न कन्या या मिथुन है तो पन्ना रत्न धारण किया जा सकता है, लेकिन यह भी देखना जरूरी है कि लग्न में कौनसा ग्रह है या लग्न के सामने सप्तम भाव में कौनसा ग्रह है।
- कुंडली को देखकर यदि किसी रोगी को पन्ना पहनाया जाता है तो उसके बल में वृद्धि होती है आरोग्य का सुख मिलता है।
- मिथुन लग्न वाले यदि पन्ना धारण करे तो पारिवारिक परेशानी कम होती है।
- कन्या लग्न यदि पन्ना धारण करे तो राज्य, व्यापार, पिता, नौकरी, शासकीय कार्यों में लाभ पा सकते हैं।
- यदि बुध की महादशा या अंतरदशा चल रही हो और बुध 8वें या 12वें भाव में नहीं हो तो पन्ना पहनने से लाभ मिलेगा।
- यदि बुध, मंगल, शनि, राहु या केतु के साथ स्थित हो या उस पर शत्रु ग्रहों की दृष्टि हो तो पन्ना पहना जा सकता है। इससे नौकरी व्यवसाय में रुकावट दूर होगी।
- लाल किताब अनुसार यदि किसी घर में कोई ग्रह सोया हुआ हो तो उस घर को और उस ग्रह के प्रभाव को जाग्रत करने के लिए उस घर का रत्न धारण करें। जैसे यदि तीसरे में बुध नहीं है तो तीसरे के लिए बुध का रत्न धारण करें। इससे बुध के अच्छे प्रभाव मिलना प्रारंभ होंगे।
- यदि आपकी कुंडली में बुध मीन राशि का होकर बुरा प्रभाव दे रहा है तो पन्ना पहन सकते हैं।

पन्ना किसे धारण नहीं करना चाहिए

- लाल किताब के अनुसार बुध तीसरे या 12वें हो तो पन्ना नहीं पहनना चाहिए इससे नुकसान होगा।
- ज्योतिष के अनुसार 6, 8, 12 का बुध स्वामी हो तो पन्ना पहनने से अचानक नुकसान हो सकता है। इसलिए पहले किसी ज्योतिष को कुंडली दिखाएं फिर ही पहनें।
- यदि बुध की महादशा चल रही है और बुध 8वें या 12वें भाव में बैठा है तो भी पन्ना धारण करने से समस्या उत्पन्न हो सकती है।
- नकली, अशुद्ध, टूटा-फूटा, धब्बेदार, चमकदार, स्वर्ण रंग का या अन्य रंग का पन्ना धारण करने से धन, समृद्धि और संतान पक्ष का नाश हो जाता है।
- उचित धातु, नक्षत्र, दिन और ग्रहों की स्थिति देखे बगैर पन्ना धारण किया है तो वह भी नुकसानदायक सिद्ध हो सकता है।

पन्ना पहनने के फायदे

- पन्ना धारण करने से स्मरण शक्ति बढ़ती है। इससे बुद्धि तेज होने लगती है।
- हाजमा अच्छा करने के लिए भी इसे धारण करते हैं।
- नौकरी और व्यापार में उन्नति के लिए भी इसे धारण करने की सलाह दी जाती है।
- पन्ना धारण करने से वाणी प्रभावशाली हो जाती है।
- पन्ना धारण करने से अधूरी तमन्नाएं पूरी होने लगती हैं।
- घर में पन्ना रत्न उचित स्थान पर रखने से अन्न-धन्न आदि में वृद्धि होती है, सुयोग्य संतान का सुख मिलता है।
- पन्ना पहनने से यदि बुद्ध उत्तम प्रभाव देने लगता है तो जातक की बहन की जिंदगी में भी परेशानियां कम हो जाती है।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विवि इकाई की बैठक सम्पन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। बैठक के प्रमुख बिंदु- पत्रकारिता शिक्षण एवं शोध से जुड़े विद्वानों को बनाया जाएगा सदस्य- पाक्षिक संगोष्ठी एवं मिलन कार्यक्रमों का होगा आयोजन - जुलाई माह में एआई और मीडिया विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) की कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर इकाई की बैठक इंडियन कॉफी हाउस, एनआईटी में आयोजित की गई। बैठक में इकाई की कार्य योजना पर चर्चा की गई, जिसमें पत्रकारिता एवं जनसंचार शिक्षण और शोध से जुड़े विद्वानों को सदस्य बनाया जाएगा। एक पाक्षिक मिलन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। साथ ही महासंघ के द्वारा एआई और मीडिया विषय पर जुलाई माह में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। बैठक में प्रांत संयोजक प्रो. आरडी शर्मा ने कहा कि अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ शिक्षा और शिक्षक के विकास पर कार्य कर रहा है। इस संगठन से पूरे देश में 15 लाख से अधिक शिक्षक जुड़े हुए हैं। प्रदेश के लगभग सभी विश्वविद्यालयों में इसकी इकाइयों का गठन किया जा चुका है। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय में पत्रकारिता शिक्षण एवं शोध का व्यवस्थित वातावरण तैयार करने के लिए महासंघ की यह ईकाई कार्य करेगी। इकाई के अध्यक्ष डॉ. नरेन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि इस इकाई से पत्रकारिता शिक्षण एवं शोध से जुड़े सभी विद्वानों को जोड़ा जाएगा। इसके लिए सदस्यता कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है। इस इकाई के अंतर्गत पत्रकारिता विश्वविद्यालय एवं उससे जुड़े सभी महाविद्यालयों के पत्रकारिता शिक्षण एवं शोध से जुड़े शिक्षकों एवं विद्वानों की सदस्यता पूर्ण की जाएगी। इस अवसर पर महासंघ के वार्षिक कलेंडर सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को भेंट किए गए। आभार महासंघ की उपाध्यक्ष डॉ. आकांक्षा दुबे ने व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. अनामिका शर्मा, डॉ. कपिल प्रजापति, डॉ. प्रज्ञा गुप्ता, श्री चंद्रशेखर शिवहरे सहित महासंघ के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

रायपुर शहर में मच रहा पानी को लेकर हाहाकार

अवैध पानी बेचने वाले हो रहे गुलजारः नेता प्रतिपक्ष

रायपुर (विश्व परिवार)। नगर निगम के चांगोरा भाटा क्षेत्र के वार्ड नंबर 67 में कारण नगर में अवैध रूप से संचालित हो रहे जल के कारोबार की शिकायत आज स्थानीय निवासियों द्वारा *नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी* के पास उनके कार्यालय पहुंचकर की गई सभी रहवासी अवैध रूप से संचालित हो रहे जल संयंत्र से काफी परेशान है आसपास के बोर सूख गए हैं भयावक पानी का संकट है किशोर पटले द्वारा पानी के जार का कार्य विगत कई वर्षों से संचालित किया जा रहा है अवैध रूप से पानी का कारोबार रात दिन संचालित करके अपने बोर से लगातार पानी का उपयोग किया जा रहा है जिससे आसपास के बोर पर प्रभाव पड़ रहा है और वह बोर सूख गए है

रायपुर रायपुर नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी द्वारा अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की गई और बताया गया कि इस कारोबार पर पिछली कांग्रेस की महापौर परिषद ने इस पर कार्यवाही करते हुए इसको सील करवा दिया था जल संकट को देखते हुए किंतु जैसे ही सरकार बदली इनका कारोबार पुनः संचालित होने लगा सील बंद की कार्यवाही जोन क्रमांक 5 के द्वारा करवाई गई थीउक्त कारोबारी द्वारा अवैध रूप से पानी के जार का कारोबार किया जाता हैजिसके चलते आसपास के बोर सूख जाते हैं इसकी शिकायत नेता प्रतिपक्ष ने अधिकारियों से की और इस पर कार्यवाही करने की बात कही उक्त कारोबार चंगोराभाठा में संचालित हो रहा था रायपुर में ऐसे कारोबार और भी जगह संचालित हो रहे हैं

एक और शिकायत *नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी* के पास पहुंची

महर्षि वाल्मीकि वार्ड 31 के एटीएम चौक के पास संतोष श्रीवास्तव द्वारा अपने बोर से पानी निकाल कर बोतल बंद पानी की इकाई का संचालन रोजाना तीन गाड़ियों में भर भर कर हजारों लीटर पानी विक्रय किया जाता है

छत पर 20000 लीटर एवं जमीन के नीचे टैंक नुमा बड़ा टंकी बनाया गया है जिसको नलकूप के माध्यम से एवं नगर निगम के कनेक्शन में मोटर लगाकर संचालित किया जा रहा है यह शिकायत लेकर आसपास के रहवासी नेता प्रतिपक्ष नगर निगम आकाश तिवारी के पास पहुंचे थे भारी गर्मी में रायपुर में पीने के पानी का हाहाकार मचा हुआ है विकराल समस्या बनता जा रहा है पीने का पानी किंतु कुछ लोग आपदा में अवसर तलाश में लगे हुए नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारी आंखें बंद करके बैठ गए ऐसे अवैध कारोबारी पर तत्काल सील बंद की कार्यवाही करनी चाहिए वरिष्ठ अधिकारियों को *रायपुर नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी* ने निर्देशित किया की दोनों जगह की वस्तुतः स्थिति देखा जाए और उक्त जगह पर सील बंदी की कार्यवाही की जाए ऐसे अवैध पानी के कारोबार को महापौर जी एवं उनकी परिषद द्वारा अनदेखी किया जाना समझ से परे है

अंतरराष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ का गौरव, पत्रकारों को जनसंपर्क आयुक्त ने दी बधाई

रायपुर (विश्व परिवार)। नेपाल दौरे के दौरान इंटरनेशनल जर्नलिज्म एक्सीलेंस अवॉर्ड हासिल कर लौटे छत्तीसगढ़ के पत्रकारों की टीम का आज राजधानी रायपुर में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर जनसंपर्क आयुक्त रजत बंसल ने पत्रकारों को हार्दिक बधाइयाँ और शुभकामनाएँ देते हुए उनकी इस उपलब्धि को प्रदेश के लिए गौरवपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्राप्त करना न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि यह पूरे राज्य की पत्रकारिता की साख को भी मजबूत करता है।

आयुक्त बंसल ने अपने संबोधन में कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और ऐसे सम्मान इस स्तंभ की मजबूती को और बढ़ाते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पत्रकारों और जनसंपर्क विभाग के बीच बेहतर समन्वय और सतत संवाद लोकतांत्रिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में भी यह तालमेल इसी तरह बना रहेगा और प्रदेश की सकारात्मक छवि देश-विदेश में स्थापित होती रहेगी।उन्होंने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ के पत्रकारों ने सीमित संसाधनों के बावजूद अपने कार्य के प्रति समर्पण और निष्पक्षता से जो पहचान बनाई है, वह प्रेरणादायक है। इस तरह के अंतरराष्ट्रीय सम्मान अन्य पत्रकारों को भी उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने सभी सम्मानित पत्रकारों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वे आगे भी इसी तरह प्रदेश का नाम रोशन करते रहें।इस अवसर पर इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स (आईएफडब्ल्यूजे) की टीम ने जनसंपर्क आयुक्त रजत बंसल का सम्मान किया।

पॉवर कंपनी डंगनिया औषधालय में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

रायपुर रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के डंगनिया औषधालय द्वारा विद्युत कर्मियों के लिए नि:शुल्क बीएमडी (बोन मिनरल डेंसिटी) एवं न्यूरो संबंधी समस्याओं के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर मे तीनों कंपनियों जनरेशन , ट्रांसमिशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन के कर्मियों ने न्यूरो एवं आर्थो के विशेषज्ञों से परामर्श एवं जॉच की सुविधा प्राप्त की।

डंगनिया औषधालय के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ . एच .एल पंचारी ने बताया कि शिविर में मरीजों द्वारा हड्डी संबन्धित, सुन्नपन, पीठ या गर्दन में दर्द जैसी समस्याओं के लिए परामर्श एवं जॉच की सुविधाओं का लाभ लिया गया एवं बीएमडी (बोन मिनरल डेंसिटी) हेतु नि:शुल्क परामर्श एवं जॉच की सुविधा प्रदान की गई। विद्युत कंपनी के अधिकारी,कर्मचारी,पेंशनर्स एवं आश्रित परिवारजनों कुल 117 लोगों को नि:शुल्क परीक्षण की सुविधा प्राप्त हुई।इस शिविर में डॉ .प्रफुल्ल महाकालकर एमबीबीएस ,एम एस ए एमसीएच (न्यूरो सर्जरी) एवं डॉ .अभिषेक त्रिपाठी एमबीबीएस, एमएस (आर्थो) ने सेवाएं दी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी की वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ .इंदू साहू,चिकित्सा अधिकारी डॉ . श्वेता जैन उपस्थित थी।

मिश्नर ने खुद किया स्व-गणना, नागरिकों को दिया डिजिटल भागीदारी का संदेश

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम।भारत की जनगणना 2027 के अंतर्गत स्व-गणना की प्रक्रिया 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक संचालित की जा रही है। इसी क्रम में नगर निगम दुर्ग के कमिश्नर सुमित अग्रवाल ने आज अपने चेंबर में मोबाइल के माध्यम से अपने परिवार की स्व-गणना कर नागरिकों को इस अभियान में भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

कमिश्नर ने बताया कि स्व-गणना की यह डिजिटल व्यवस्था नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शुरू की गई है। आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से नागरिक 16 से 30 अप्रैल तक स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया सरल, तेज और पारदर्शी बनती है।

उन्होंने जानकारी दी कि पोर्टल पर पूछे गए सभी प्रश्न सरल और सहज भाषा में हैं, जिन्हें मोबाइल, कंप्यूटर या लैपटॉप के जरिए आसानी से भरा जा सकता है।

प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद नागरिकों को स्व-गणना आईडी प्राप्त होगी, जो आगे के सत्यापन में सहायक होगी।कमिश्नर सुमित अग्रवाल ने बताया कि स्व-गणना चरण पूर्ण होने के बाद 1 मई से 31 मई तक प्रगणक घर-घर जाकर जानकारी का सत्यापन करेंगे और जनगणना कार्य को अंतिम रूप दिया जाएगा।

नगर निगम दुर्ग द्वारा सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाएं ।

मंत्री के प्रयासों से दर्जनों टोलों के विद्युतीकरण को मंजूरी

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा दूरस्थ क्षेत्रों के समग्र विकास को नई गति मिल रही है। इसी क्रम में राज्य की महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के विशेष प्रयासों से सूरजपुर जिले के वनांचल क्षेत्रों में बिजली पहुंचाने की दिशा में बड़ी पहल साकार हुई है। भटगांव विधानसभा क्षेत्र के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के दर्जनों गांवों और आश्रित टोलों के विद्युतीकरण के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (ष्टस्क्क्षष्टरु) द्वारा तकनीकी स्वीकृति प्रदान करते हुए कार्य आदेश जारी कर दिए गए हैं।

दर्जनों गांवों में पहुंचेगी बिजली, बदलेगा जीवन स्तर

मंत्री श्रीमती राजवाड़े की पहल पर कोल्हुआ, महुली, करोटी, चोंगा सहित कई ग्राम पंचायतों के विभिन्न टोलों में विद्युतीकरण कार्य स्वीकृत हुआ है। इसके अंतर्गत स्कूलपारा, हरिजनपारा, पांडोपारा, खासपारा, पहाड़पारा, मधवानीपारा, आमपारा और श्यामपारा जैसे क्षेत्रों में पहली बार नियमित विद्युत सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।इसके साथ ही कछवारी, खैरा, नवडीहा और कछिया जैसे अन्य क्षेत्रों को भी इस योजना में शामिल किया गया है।

जिससे व्यापक स्तर पर ग्रामीण आबादी लाभान्वित होगी।

ष्टस्क्क्षष्टरु द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार सभी कार्यों को प्रारंभ होने के तीन माह के भीतर पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। परियोजना के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी सूरजपुर के कार्यपालन अभियंता को सौंपी गई है, ताकि समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित हो सके।

वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों की यह लंबे समय से प्रमुख मांग रही है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने इस विषय को प्राथमिकता में रखते हुए लगातार विभागीय स्तर पर समन्वय किया, जिसके परिणामस्वरूप करोड़ों रुपये की लागत से 28 से अधिक विद्युतीकरण कार्यों को मंजूरी मिली।इस पहल से न केवल घरों में उजाला होगा, बल्कि बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और स्थानीय रोजगार एवं छोटे व्यवसायों को भी नई गति मिलेगी।मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताया और उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन और जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हो रहा है, जिससे अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंच रही है।

कलिंगा विवि द्वारा समूह चर्चा और व्यक्तिगत साक्षात्कार कौशल बढ़ाने पर कार्यशाला

रायपुर (विश्व परिवार)। आज के प्रतिस्पर्धी समय में केवल विषय ज्ञान पर्याप्त नहीं होता, बल्कि उसे सही तरीके से व्यक्त करना भी उतना ही आवश्यक है। कई बार विद्यार्थी योग्य होने के बावजूद इंटरव्यू, ग्रुप डिस्कशन या अन्य चयन प्रक्रियाओं में अपनी बात प्रभावी ढंग से प्रस्तुत नहीं कर पाते, जिसके कारण वे अच्छे अवसरों से वंचित रह जाते हैं। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, विद्यार्थियों के संपूर्ण विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

इस दिशा में पहल करते हुए, वर्ष 2013 में स्थापित कलिंगा विश्वविद्यालय, जो छत्तीसगढ़ के स्मार्ट सिटी नया रायपुर में स्थित है, विद्यार्थियों को केवल शैक्षणिक ज्ञान ही नहीं बल्कि व्यावहारिक एवं उद्योगोन्मुख कौशल प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। विश्वविद्यालय ने हद्धक्त्न रैंकिंग 2025 में लगातार चौथे वर्ष भारत के शीर्ष 101ङ्क150 विश्वविद्यालयों में स्थान प्राप्त किया है तथा ह्र्रष्ट से क्क+ ग्रेड प्राप्त कर उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सिद्ध किया है।

इसी क्रम में, कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा अंतिम वर्ष के स्नातक विद्यार्थियों के लिए ञ्श्ठ्ठद्गह्वश्च तह्म्श्ह्वश्च ष्ठद्बह्यष्ह्वह्यह्यद्बश्ठ्ठह्य × क्क्रह्म्ह्यश्ठ्ठद्य द्वठ्ठह्लद्गह्म्1द्बद्ग2 स्न्नद्बद्यद्यह्यञ्ज विषय पर दो विशेष कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यशालाएं दिनांक 25 अप्रैल 2026 को प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम, रायपुर में आयोजित होंगी।

इन सत्रों का उद्देश्य विद्यार्थियों की संचार क्षमता, आत्मविश्वास तथा प्रस्तुति कौशल को विकसित करना है, ताकि वे ग्रुप डिस्कशन, स्क्क इंटरव्यू एवं अन्य प्रतिस्पर्धी चयन प्रक्रियाओं में प्रभावी प्रदर्शन कर सकें। कार्यशाला पूरी तरह प्रायोगिक एवं इंटरएक्टिव होगी, जिसमें विद्यार्थियों को ग्रुप डिस्कशन में भाग लेने की रणनीति, इंटरव्यू में उत्तर देने की तकनीक, बॉडी लैंग्वेज का सही उपयोग तथा आत्मविश्वास बनाए रखने जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया जाएगा।

देव-दर्शन

स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े फ़ायदों के साथ मिलेगी नि:शुल्क डोरस्टेप बैंकिंग सेवाओं की सौगात

बैंक ऑफबड़ौदा ने की 'बॉब सीनियर सिटीज़न विशेष सम्मान' बचत खाते की शुरुआत

रायपुर (विश्व परिवार)। डोरस्टेप बैंकिंग सेवाओं की पेशकश करने वाले एक प्रीमियम बचत बैंक खाते 'बॉब सीनियर सिटीज़न विशेष सम्मान' के शुभारंभ की घोषणा की। यह खाता 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के ग्राहकों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है, जिसका उद्देश्य उनके समग्र स्वास्थ्य एवं वित्तीय समृद्धि में वृद्धि करना है।

यह खाता दवाओं तथा बीमारियों की पहचान करने वाली सेवाओं पर छूट के साथ परिवार के अधिकतम छह सदस्यों के लिए नि:शुल्क ऑनलाइन चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा भी प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, ग्राहक हर महीने दो नि:शुल्क डोरस्टेप बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं जिससे आवश्यक बैंकिंग सेवाएं सीधे उनके घर तक पहुंचेंगी। इसके अतिरिक्त, इस ऑफ़र में रिवर्स मॉर्गेज ऋण के प्रोसेसिंग प्रभार में 50त्न की छूट, लॉकर के किराए में रियायत और 'बॉब भूमि रुपे सेलेक्ट डेबिट कार्ड' भी शामिल है जो जीवनशैली से जुड़ी विभिन्न प्रकार की विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराता है।

डॉ. देबदत्त चांद, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा ने कहा, ञ्बैंक ऑफ बड़ौदा को विशेष रूप से तैयार की गई पेशकशों के माध्यम से अपने वरिष्ठ नागरिक ग्राहकों सेवाएं प्रदान करते हुए गर्व महसूस कर रहा है।'बॉब सीनियर सिटीज़न विशेष सम्मान' के साथ, हमने स्वास्थ्य से जुड़े फ़ायदे, डोरस्टेप बैंकिंग सुविधाएं तथा बैंकिंग एवं जीवनशैली से संबंधित कई लाभ एक साथ प्रदान करने वाली एक प्रीमियम पेशकश की है। यह पहल हमारे वरिष्ठ नागरिक ग्राहकों के लिए उपयोगी तथा विभिन्न प्रकार की सेवाओं की पेशकश करने की हमारी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

'बॉब सीनियर सिटीज़न विशेष सम्मान' बचत खाते की प्रमुख विशेषताएं:स्वास्थ्य एवं वेलनेस से जुड़े लाभ परिवार के अधिकतम 6 सदस्यों के लिए नि:शुल्क ऑनलाइन चिकित्सकीय परामर्श

दवाओं की ऑनलाइन खरीदारी पर 15त्न तक की छूट उपलब्ध

पैथोलॉजिकल टेस्ट पर 20त्न तक की छूट डोरस्टेप बैंकिंग की सुविधा:प्रति माह दो नि:शुल्क डोरस्टेप बैंकिंग सेवाएंजीवन शैली से जुड़ी सुविधाएं:बॉब भूमि रुपे सेलेक्ट डेबिट कार्ड नि:शुल्क जारी किया जाएगा, जिसमें स्वास्थ्य जांच, अंतर्राष्ट्रीय एवं घरेलू हवाई अड्डे के लाउंज का एक्सेस, जिम सदस्यता, स्पा/सैलून, गोल्फ़ ओटीटी सदस्यता आदि जैसे लाभ शामिल हैं।

बैंकिंग लाभ:रिवर्स मॉर्गेज ऋण के प्रोसेसिंग प्रभार में 50त्न की छूटलॉकर प्रभार में ?500 तक 20त्न की रियायतनि:शुल्क हृश्वस्नञ्ज और ऋञ्जत्तस् लेन-देन और ढ्ढरूक्क्र लेन-देन प्रभार में 50त्न की छूटप्रीमियम खाता पेशकश:1 लाख मासिक औसत शेष रखने वाले वरिष्ठ नागरिक ग्राहकों के लिए विशेष रूप से तैयार खाता।बैंक ऑफ बड़ौदा के बारे में महाराजा सयाजीराव गायकवाड़द्वारा 20 जुलाई, 1908 को स्थापित, बैंक ऑफ बड़ौदा भारत के अग्रणी वाणिज्यिक बैंकों में से एक है।

समाज सेवी अमर चंदनानी सिंधु दर्शन यात्रा लेह के छत्तीसगढ़ प्रदेश सह प्रभारी बनाए गए

रायपुर (विश्व परिवार)। आज भारतीय सिंधू सभा छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष लधाराम नैनवानी*प्रदेश महासचिव एवम् सिंधु दर्शन यात्रा लेह के प्रदेश प्रभारी मुरलीधर शादीजा द्वारा समर्पित समाजसेवी श्री अमर चंदनानी जी की नियुक्ति सिंधु दर्शन यात्रा लेह 2026 के प्रदेश सह प्रभारी के तौर पर की गई अमर चंदनानी ने भारतीय सिंधु सभा परिवार का आभार व्यक्त किया।

RAIPUR BUSINESS HUB

ITR फाईल बनवाएं मात्र 500/-

GST रजिस्ट्रेशन | TDS रिफंड
CMA DATA | BALANCE SHEET
MSME रजिस्ट्रेशन | फूड लाइसेंस
प्रोजेक्ट रिपोर्ट | TAX AUDIT

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
(व्हाट्सएप पर भी बनवाएं)
संपर्क - शेखर गुप्ता 9300755544, 8878655544

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354